



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 22, 1978 (वैशाख 2, 1900)

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 22, 1978 (VAISAKHA 2, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ	
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों में सम्बन्धित अधिसूचनाएं	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	885
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अस्तरंगत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	11 " .
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	79
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-त्रोवा प्रायोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	2151
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	281
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रबंध समितियों की रिपोर्ट	भाग III—खंड 3—मुख्य प्रायुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	87
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अस्तरंगत बनाए और	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	971
	भाग IV—और सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	65

CONTENTS

	PAGE	PAGE	
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	341	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories	885
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	509	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	1113
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	79
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	355	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	2151
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	281
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	87
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	971
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	—	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	65

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम स्थायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकायों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति संविचालन

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० 19-प्रैज/78—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी धीरता के लिए पुलिस पदक सहूर्ण प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रामजी सिंह,

कांस्टेबल,

मुरोद,

बिहार।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

13/14 फरवरी, 1975 की रात्रि को यह सूचना मिलने पर कि कुछ छाकू एक मकान में जमा हैं, गोपरी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने दो उच्च-निरीक्षकों और श्री रामजी सिंह के नेतृत्व में एक टुकड़ी सहित एक आपामार दल का आयोजन किया। मकान पर पहुंचने पर श्री रामजी सिंह एक कांस्टेबल के साथ, उत्तर स्था पूर्व से अपराधियों को छोड़ने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के साथ गए। जब आपामार दल ने अपराधियों को सलकारा तो उनमें से एक ने, जो दरवाजे की रक्षा कर रहा था, पुलिस दल पर गोली चला दी। मुठभेड़ के दौरान अपराधियों ने बच्चकर भाग निकलने का प्रयास किया किन्तु श्री रामजी सिंह, अपने जीवन के अंतरे को बिल्कुल परवाह किये बिना भागते हुए अपराधियों में से एक पर आपटे और हाथापाई के बाद उस पर काढ़ पा लिया। अपराधियों में से एक ने पुलिस वक्त पर गोली चलाई जिससे उनमें से दो जमीनी हो गये। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के आदेश पर ही श्री रामजी सिंह ने तब अपराधियों पर गोली चलाई और उनको मार निराने में सफल हो गए। उनमें से एक घटनास्थल पर ही हुसाहत हो गया और दूसरे की अस्पताल ले जाते समय मर्यादा हो गई।

इस प्रकार श्री रामजी सिंह से इस कार्रवाई के दौरान बड़े साहस, दृढ़-निश्चय और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 14 फरवरी, 1975 से दिया जाएगा।

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० 20-प्रैज/78—राष्ट्रपति मणिपुर राष्ट्रकल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी धीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहूर्ण प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री एस० इबोतोम्बी सिंह,

जमावार,

5वीं बटालियन, मणिपुर राष्ट्रकल,

मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

11 मार्च, 1977 को भारत-बर्मा सीमा के पास इबी बड़ालियन मणिपुर राष्ट्रकल की लोकवाओं जौकी के जौकी कमाण्डर को सूचना

मिली कि स्वतालित हथियारों से लैस विद्रोहियों का एक बड़ा गिरोह जौकी के चारों ओर घेरे जाने वाला है। कमांडर ने तुरन्त एक टुकड़ी भेजी जिसमें जमावार एस० इबोतोम्बी सिंह और 7 अन्य अधिक्षित थे। एक अन्य टुकड़ी भी पूसरी दिशा में भेजी गयी ताकि बच्चकर भाग निकलने के उनके रास्ते को रोका जा सके। बोपहुर लगभग 12 बजकर 15 मिनट पर जमावार एस० इबोतोम्बी सिंह के नेतृत्व वाले दल ने लगभग 15 गज की दूरी पर आधुनिक हथियारों से लैस 50 विद्रोहियों के एक गिरोह को देखा। हालांकि उनके दल की संख्या बुशमन से बहुत कम थी किंतु भी जमावार एस० इबोतोम्बी सिंह ने तत्काल अपने जवानों से विद्रोहियों पर टूट पड़ने को कहा। मुठभेड़ में नायक तोम्बा सिंह और राइफलमैन पाओंगिनमैन ने अपनी साइट मणिपुरन से बड़ी सुझौता और प्रभावपूर्ण गोलीबारी की और उन्हें संगठित होने तथा जमावार एस० इबोतोम्बी सिंह की घात टुकड़ी पर आक्रमण म करने दिया। राइफलमैन दामहेन और थोमस ने बड़ी होशियारी से हृष्णगोले फेंके जिससे विद्रोहियों का मनोबल काप उठा और यह देखकर कि मणिपुर राष्ट्रकल के जवान अपने आक्रमण में दूढ़ हैं, विद्रोही भाग छड़े हूए। इस मुठभेड़ में एक विद्रोही मारा गया। जमावार एस० इबोतोम्बी सिंह ने अपने जवानों को समय खोये बिना विद्रोहियों का पीछा करने के लिए कहा। जबरदस्त खोज में एक और विद्रोही पकड़े गया और एक .303 साइट मणिपुरन तथा एक .303 राइफल और गोलाबारूद के 400 राउन्ड बरामद किए गए। जमावार एस० इबोतोम्बी सिंह आराम तथा खाने के बीच और अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना रात की भी बूझता से पीछा करते रहे। 12 मार्च, 1977 को बहुत सबरे वे दो अन्य विद्रोहियों को तथा एक जी० 3 राइफल, 437 राउन्ड गोलाबारूद एक एन-22 चीनी राइफल और अन्य उपकरण तथा दस्तावेज पकड़ने में सफल हो गए। हन पकड़े गए विद्रोहियों से पूछताछ करने पर मूर्ख्यवान सूचना मिली जिसके परिणामस्वरूप और विद्रोही पकड़े गये। सब मिलाकर एक विद्रोही मारा गया और 8 जीवित पकड़े गये तथा इसके अतिरिक्त भारी भावा में हथियार सथा गोलाबारूद भी पकड़ा गया।

इस कार्रवाई में जमावार एस० इबोतोम्बी सिंह ने उल्लूष धीरता, अनुकरणीय साहस, संगठन-कुशलता, नेतृत्व, दृढ़-निश्चय तथा उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 मार्च, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 21-प्रैज/78—राष्ट्रपति मणिपुर राष्ट्रकल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी धीरता के लिए पुलिस पदक सहूर्ण प्रदान करते हैं:—

अधिकारीयों के नाम तथा पद

श्री तोम्बा सिंह,

नायक सं० 3009,

5वीं बटालियन, मणिपुर राष्ट्रकल,

मणिपुर।

श्री पाओगिनर्मांग,
राइफलमैन सं० 5644
5वीं बटालियन, मणिपुर राइफल्स,
मणिपुर।
श्री धोमस,
राइफलमैन सं० 5427,
5वीं बटालियन, मणिपुर राइफल्स,
मणिपुर।
श्री दामहेन,
राइफलमैन सं० 5454,
5वीं बटालियन, मणिपुर राइफल्स,
मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

11 मार्च, 1977 को भारत-बर्मा सीमा के पास 5वीं बटालियन मणिपुर राइफल्स की लोकवाओं औको के चौकी कमाण्डर की सूचना मिली कि स्वचालित हथियारों से लेस विद्रोहियों का एक बड़ा गिरोह चौकी के बाहर और थाने जंगलों में लोकवाओं नदी को पार करने वाला है। चौकी कमाण्डर ने तुरन्त एक टुकड़ी भेजी जिसमें जमादार एस० इवोतोम्बी सिंह ३२८ और ७ अन्य अधिकत थे। एक अन्य टुकड़ी भी दूसरी विशा में भेजी गई ताकि बचकर भाग निकलने के उनके रास्ते को रोका जा सके। दोपहर लगभग 12 बजकर 15 मिनट पर जमादार एस० इवोतोम्बी सिंह के नेतृत्व वाले दल ने लगभग 15 गज की दूरी पर आधुनिक हथियारों से लेस 50 विद्रोहियों के एक गिरोह को बेखा। हालांकि उनके दल की संख्या बहुत कम थी, जमादार एस० इवोतोम्बी सिंह ने तत्काल अपने जवानों से विद्रोहियों पर टट पकड़ने को कहा। मुठभेड़ में नायक तोम्हा सिंह और राइफलमैन पाओगिनर्मांग ने अपनी लाइट मशीनगन से बड़ी सुनस्त्रुत और प्रभावशूली गोलीबारी की और उन्हें संगठित होने तथा जमादार एस० इवोतोम्बी सिंह की ओर दुकड़ी पर आक्रमण न करने दिया। राइफलमैन दामहेन और धोमस ने बड़ी होशियारी से हृष्णगोले के लिए विद्रोहियों का मनोबल कांप उठा और यह देखकर कि मणिपुर राइफल्स के जवान अपने आक्रमण में बूढ़े हैं, विद्रोही भाग खड़े हुए। इस मुठभेड़ में एक विद्रोही मारा गया। जमादार एस० इवोतोम्बी सिंह ने अपने जवानों को समय खोये बिना विद्रोहियों का पीछा करने के लिए कहा। जवरदस्त खोन में एक और विद्रोही पकड़ा गया और एक .303 लाइट मशीनगन तथा एक .303 राइफल और गोलीबालूद के 400 राउंड बरामद किए गए। वे बिना भ्रोजन तथा विश्राम के दिन-रात पीछा करते रहे। 12 मार्च, 1977 को बहुत सधेरे वे दो और विद्रोहियों को, गोलीबालूद के 437 राउंड के साथ एक जी-3 राइफल, एक एम-22 चौनी राइफल और अन्य उपस्कर तथा दस्तावेज सहित पकड़े में सफल हुए। पकड़े गए विद्रोहियों से पूछताल करने पर मूल्यवान सूचना मिली जिसके परिणामस्वरूप और विद्रोही पकड़े गए। इसके अलावा, बड़े से हृष्णियार और गोला बालू भी बरामद किया गया।

इस कार्रवाई में श्री तोम्हा सिंह, श्री पाओगिनर्मांग, श्री धोमस, और श्री दामहेन ने वीरता, वक्ता, पहलवानित तथा उच्चकोटि की कर्तव्य-परायनता का परिवेष दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 मार्च, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 23-प्रैज/78—राष्ट्रपति अमम पुलिस के निम्नाकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री राजेन्द्र नाथ बजबोराह,

पुलिस उपनियोगक,
कल्पार श्री० ई० एफ०,
असम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

26 अप्रैल, 1977 को राज्य के लगभग 2.30 बजे उपनियोगक राजेन्द्र नाथ बजबोराह एक पुलिस दल के साथ कुछ अपेक्षित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए गांव धानीपुर गये। पुलिस दल अपेक्षित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफल हो गया परन्तु उनमें से एक भाग निकला। जब पुलिस दल गिरफ्तार अधिकारी को लेकर थाने वापस आते हुए मारियां पहुंचा तो श्री राजेन्द्र नाथ बजबोराह को सूचना मिली कि बांधित अधिकारी अपने मकान में वापिस आ गया है और चुराई गई बस्तुएं भी उसके मकान में रखी हुई हैं। गिरफ्तार अधिकारी को, दल के बाकी सदस्यों की हिरासत में छोड़कर श्री बजबोराह एक सहायक उपनियोगक तथा वो कांस्टेबलों के साथ धानीपुर वापस आ गए। जब पुलिस दल अभियुक्त के मकान पर पहुंचा तो वह भाला लेकर बाहर आया और उसने पुलिस दल को चुनौती दी। कुछ अस्य घवकित भी उसके साथ हो गये, वे सब भी भालों से लैस थे: 'आकमणकारियों की अधिक संख्या होने के बावजूद अपनी सुरक्षा की परवाह किये जिना श्री बजबोराह अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए तुरन्त आये वहे परन्तु अपराधी श्री बजबोराह की छाती में भाले का प्रहार करते हैं में सफल हो गया। अस्य अपराधियों ने श्री धीरेंग चन्द्र नाथ पर हमला कर दिया जिसके परिणामस्वरूप उनके फारीर पर गम्भीर चोटें आईं। श्री राजेन्द्र नाथ बजबोराह की धावों के कारण घटना स्थल पर मृत्यु हो गई। किन्तु बाद में गांव भालों ने अपराधियों को कानू में कर लिया।

इस प्रकार श्री राजेन्द्र नाथ बजबोराह ने अनुकरणीय साहस, नेतृत्व, दृढ़निश्चय और उत्तमकोटि की कर्तव्य-परायनता का परिवेष दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 26 अप्रैल, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 23-प्रैज/78—राष्ट्रपति परिवेष वंगाल पुलिस के निम्नाकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री लोकनाथ अर्मन,
कांस्टेबल सं० 1152,
जिला सचिव पुलिस,
जलपाहारियाँ,
परिवेष वंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

11 मई, 1975 को थाना भोयनामुही के सहायक उपनियोगक के नेतृत्व में एक गत्ती दल को एक कुछात डाकू, जिसकी बहुत से अपराधों के मामले में तलाशी थी, का पसा लगाने के लिए देवाबाड़ी तथा जबरामाली गांव में गश्त लगाने के लिए सैनात किया गया। पुलिस दल देवाबाड़ी गांव में साथं लगभग 11.30 बजे पहुंचा तथा स्थानीय प्रतिरोधी दल के स्वयं सेवकों के साथ मिल गया, जो पहले से ही गांव में गश्त लगा रहे थे। गश्त के दौरान उन्होंने धरायकुड़ी नदी की दूसरी तरफ जबरामाली में गोलीबारी की आवाजें सुनीं। पुलिस दल प्रतिरोधी दल के चार सदस्यों के साथ तुरन्त जबरामाली गया और नदी के किनारे कुछ गांव वालों को सशस्त्र डाकूओं के एक गिरोह का पीछा करते हुए देखा। पुलिस दल को आता देख कर डाकूओं ने गोलीबारी क्षुर कर दी। इससे पहले कि पुलिस दल कार्यवाही कर सके वे स्थानीय प्रतिरोधी दल के एक सदस्य को हताहत करने में सफल हो गये, जिसकी बाद में अस्ताल में मृत्यु हो गई। हालांकि पुलिस दल के अस्य सदस्य तथा प्रतिरोधी दल डाकूओं द्वारा की आ रही भारी गोलीबारी के कारण पीछे

(स्वर्गीय)

हट गये, कांस्टेबल लोकनाथ बर्मन दृढ़तापूर्वक डटे रहे और जवाब में गोली चलाते रहे। उन्होंने 9 गोलियां चलाईं और डाकुओं में से एक को गोली मारने में सफल हो गये जिसकी वहीं पर मृत्यु हो गई। अन्य डाकु बचकर भाग निकलने में सफल हो गये। मारा गया डाकू वही भागा हुआ डाकू था और उसकी मृत्यु के साथ ही डाकुओं का पुरा गिरोह अन्ततः समाप्त हो गया।

श्री लोकनाथ बर्मन ने साहस, दृढ़ता, धैर्य और उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भूता भी दिनांक 11 मई, 1975 से दिया जाएगा।

के० सी० माहपा, राष्ट्रपति के सचिव

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 मार्च 1978

संकल्प

सं० एम० (हज०) 118-1/13/77—भारत सरकार ने वर्ष 1978 के लिये केन्द्रीय हज सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया है जिसमें नीचे लिखे सदस्य होंगे।

1. श्री दी० ओ० बाबा
2. श्री गुलाम मुहम्मद भट्ट
3. श्रीमती रशीदा हक चौधरी, संसद सदस्य
4. मौलाना सैयद अहमद हाशमी, संसद सदस्य
5. अलहज श्री एम० ए० हनान, संसद सदस्य
6. श्री के० पी० हसन हाजी
7. श्री एम० एम० हाशिम, संसद सदस्य
8. श्री सी० इब्राहिम
9. श्री एस० एस० अब्दुल खादर, संसद सदस्य
10. श्री हायूर अली खान, संसद सदस्य
11. श्री महमूद हसन खान, संसद सदस्य
12. मौलाना मुहम्मद इरफान खान
13. श्री शमसूल हसन खान, संसद सदस्य
14. हाजी करमतुल्ला खान
15. श्री एस० ए० मेहदी
16. श्री मोहम्मद अली मीठा
17. श्री एम० ओ० एच० फारुक मारीकर
18. श्री अब्दुल हमीद रहमानी
19. श्री जेड० जी० रंगनवाला
20. श्री गुलाम सरवर
21. श्री हमीद अली शमनाद, संसद सदस्य
22. श्री नफीस अहमद सिद्दीकी
23. श्री अहमद बक्श सिन्धी
24. श्री ए० य० शेख
25. श्री मुहम्मद यूसुफ

2. श्री अल्हज श्री एम० ए० हनान इस बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।
3. विदेश मंत्रालय में हज कार्य से सम्बद्ध संयुक्त सचिव, बोर्ड के पदेन सचिव एवं संयोजक होंगे।

4. यह बोर्ड पहले की भाँति ही भारत सरकार को हज एवं जिम्मारत से सम्बद्ध मामलों पर परामर्श देगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस मंकल्प की एक एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रीमंडल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा, और राज्य सभा सचिवालय, सभी राज्य सरकारों, केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों, हज समिति बम्बई, सभी हज समितियों और मेसर्स मुगल लाइन लिमिटेड बम्बई को सूचनार्थ भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एस० शहाबुद्दीन, संयुक्त सचिव (हज)

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1978

स० 10 (2)-बी० ओ०-III/77—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 28 दिसम्बर, 1977 की अधिसूचना संख्या 10(2) बी० ओ०-III/77 के सिलसिले में, सरकार, एक व्यक्ति समिति (बैंकिंग विधि मिमिति) की अवधि को 30 जून, 1978 तक सहर्ष और बढ़ाती है।

बलदेव सिंह, संयुक्त सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1978

संकल्प

स० I-12013(1)/77-लांट (ए)—भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 3 फरवरी, 1978 में प्रकाशित, दिनांक 3 फरवरी, 1978 के वाणिज्य मंत्रालय के संकल्प सं० I-12013(1)/77-लांट (ए) की कंडिका 2 तथा 3 में निम्नोक्त संशोधन/परिवर्तन किये जायेंगे:—

कंडिका 2(ख) (2) तथा (5) में विवरण प्राविष्टियों के स्थान पर निम्नोक्त प्रतिस्थापित की जायेगी,

(1) श्री बी० के० दत्त,
अध्यक्ष, टाटा फिनले लिमिटेड,
2, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।

(5) श्री सी० प्रभाकरन,
द्वारा अस्पिनवाल एंड कम्पनी लिमिटेड,
पोस्ट बाक्स नं० 2,
कोल्काता-682001।

कंडिका 3 के अन्त में निम्नोक्त जोड़ा जायेगा,

“समिति को अन्य सदस्यों को सहयोगित करने का अधिकार होगा।”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

श्रीमती कौलल आनन्द उप सचिव

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, विलोक 16 मार्च 1978

संकल्प

सं. ई-11015(5)/77-हि० अ०—भारत सरकार ने. उद्योग मंत्रालय के लिए एक हिन्दी संलाहकार समिति गठित करने का निष्पत्ति किया है। इस समिति का गठन, कार्य आदि निम्नलिखित होंगे—

1. श्री जाले फर्नार्डिन्स	अध्यक्ष
उद्योग मंत्री	
2. श्रीमती आमा मार्वित	उपाध्यक्ष
राज्य मंत्री	
3. ठाकुर रमापति सिंह,	मदस्य
सदस्य, लोक सभा	
4. श्री मदन लाल शुक्ल,	"
सदस्य, लोक सभा	
5. श्री शोण लाल माली,	"
सदस्य, राज्य सभा	
6. श्री पथाम लाल गुप्ता,	"
सदस्य, राज्य सभा	
7. श्री कुण्डल चन्द्र, विद्यालंकार,	"
सम्पादक "वित", नई दिल्ली	
8. श्री अमृत राय, हंस प्रकाशन	"
इलाहाबाद	
9. डा० राम दरशन मिश्र,	"
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	
10. श्री उमाशंकर जोशी,	"
26, सेतु, सरदार पटेल नगर,	
अहमदाबाद	
11. श्री रमा प्रसाद नायक,	प्रवेन सदस्य
सचिव राजभाषा विभाग तथा	
भारत सरकार के हिन्दी मंत्रालय	
12. श्री शा० श्री मराठे,	"
सचिव (औद्योगिक विकास विभाग)	
13. श्री शा० कुण्डलभूर्जि,	"
सचिव (भारी उद्योग विभाग)	
14. क्रिपेश्यर बी० जे० शाहनी,	"
सचिव (तकनीकी विकास) तथा	
तकनीकी विकास के महानिदेशक	
15. श्री एस० कुमार,	"
अध्यक्ष, औद्योगिक लागत एवं मूल्य	
व्यूरो	
16. श्री एस० ए० रंगास्वामी,	"
विशेष सचिव,	
औद्योगिक विकास विभाग	
17. श्री शी० शी० रामाकृष्णा,	"
अपर सचिव,	
औद्योगिक विकास विभाग	
18. श्री एस० जे० कोएसो	"
संयुक्त सचिव,	
औद्योगिक विकास विभाग	
19. श्री बी० आर० आर० आशंगार,	"
संयुक्त सचिव,	
औद्योगिक विकास विभाग	

20. श्री नरेश चाहू,

संयुक्त सचिव,

भारी उद्योग विभाग

प्रवेन सदस्य

21. श्री आई० सी० पुरी

विकास आयुक्त,

लम्बु उद्योग

22. डा० बिमल जालान,

आर्थिक संलाहकार

23. श्री पी० एस० कुण्डल,

अध्यक्ष, भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड

24. श्री मणि नारायणस्वामी,

हथकरघा विकास आयुक्त

25. श्री के० श्रीनिवासन,

अध्यक्ष,

राष्ट्रीय बस्त्र निगम

26. श्री जी० एन० मेहरा

हिन्दी कार्य के प्रभारी संयुक्त सचिव

सदस्य-सचिव

2. कार्य: इस समिति का कार्य उद्योग मंत्रालय संभा उसके सम्बद्ध एवं अप्लानिट्स कार्यालयों को सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से सम्बन्धित विषयों तथा गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित नीति मंदबीं द्वारे के अन्तर्गत आने वाले मामलों पर सलाह देना होगा।

3. कार्य-काल:

समिति का कार्यकाल उसके गठन की तारीख से तीन वर्षों का होगा बास्ते कि—

(क) कोई भी सदस्य, जो सदसद सदस्य है, सदसद का सदस्य न रहते ही वह इस समिति का सदस्य भी नहीं रहेगा।

(ख) समिति के प्रवेन-सदस्य उस समय तक सदस्य बने रहेंगे जब तक कि वे अपने उन पदों पर हैं जिनके कारण वे समिति के सदस्य हैं।

(ग) यदि किसी सदस्य ने त्यागपत्र देने, मृत्यु आदि के कारण समिति में कोई स्थान रिक्त होता है तो उसके स्थान पर नियुक्त किया गया सदस्य शेष अवधि के लिए सदस्य रहेगा।

4. सामान्य: (1) समिति आवश्यक समझे जाने पर अतिरिक्त सदस्यों को सहयोगित कर सकती है और अपनी बैठकों में भाग लेने के लिए विशेषज्ञों को आमतित कर सकती है अथवा उप-समितिया नियुक्त कर सकती है।

(2) समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा, किन्तु समिति अपनी बैठके किसी अन्य स्थान पर भी कर सकती है।

5. यात्राभत्ता तथा अम्य भत्ते:

गैर सरकारी सदस्यों को समिति तथा उप समितियों की बैठकों में समय-समय पर भाग लेने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर यात्रा-भत्ता तथा दैनिक भत्ता दिया जायेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, प्रधान मंत्री सचिवालय, नियमपालन सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और औद्योगिक विकास विभाग विभाग के बेतम लेखा कार्यालय को ज्ञाजी जाए।

यह भी आदेश दिया गया कि इस संकल्प को जन साधारण की जातकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

श्री शी० शी० रामाकृष्णा, संयुक्त सचिव

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

सिंचाई विभाग

नई दिल्ली-110001, विनांक 27 मार्च, 1978

गुद्धि-पत्र

सं० 21/9/71-डी० इन्वू० (एन०) आई० टी०—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 21/9/71-डी० इन्वू० (एन०) आई० टी० खंड दो, दिनांक 18-1-78 में अधिक संशोधन करते हुए क्रम संख्या 6 में संविध, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार के बाद निम्नलिखित पंक्ति जोड़ दी गयी।

“(अधिका उनके द्वारा किसी विशिष्ट बैठक में आग लेने के लिए भेजा गया कोई अधिकारी)”—

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह शुद्धि-पत्र सम्बद्ध राज्य सरकारों, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और योजना आयोग को सूचनार्थ भेज दिया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और सम्बन्धित राज्य सरकारों से अनुरोध किया जाए कि आम सूचना के लिए इसे राज्यों के राजपत्रों में प्रकाशित किया जाए।

ओ० पी० चूहा, संयुक्त सचिव

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, विनांक 22 मार्च, 1978

संकल्प

सं० एफ० 7-4/77-ईस्क-1 (भाषा)—हिन्दी शिक्षा समिति का पुनर्गठन पिछली बार इस मंत्रालय के संकल्प संख्या एफ० 7-2(3)/74-ईस्क-1 (भाषा), विनांक 29-4-1975 द्वारा किया गया था। पुनर्गठित समिति का कार्यकाल 31-12-1977 को समाप्त हो जाने पर समिति का एतत्पूर्वारा निम्न प्रकार से आगे पुनर्गठन किया जाता है:—

I. गठन

1. शिक्षा, समाज कल्याण तथा सशक्ति मंत्री	अध्यक्ष
2. राज्य मंत्री (शिक्षा विभाग)	उपाध्यक्ष
3. लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा नामित चार सदस्य	सदस्य
(1) श्री बी० बी० हाथे	
(2) श्री एम० बी० कृष्णप्पा	
(3) शा० रामजी रिह	
(4) श्री बृज भूषण तिवारी	
4. राज्य सभा के सभापति द्वारा नामित दो सदस्य	सदस्य
(1) श्री जगदीश जोशी	
(2) प्रो० रामलाल परोड़	
5. शिक्षा सचिव	सदस्य
6. भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार	सदस्य
7. शिक्षा विभाग में भाषाओं के प्रभारी (संयुक्त सचिव/संयुक्त शिक्षा सलाहकार)	सदस्य
8. अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग	सदस्य
9. अध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण मंडल, आगरा	सदस्य

10. अहिन्दी भाषी राज्यों को सरकारों द्वारा नामित सदस्य एक-एक प्रतिनिधि

11. निम्नलिखित स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं का सदस्य एक-एक प्रतिनिधि

- (1) अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, नई दिल्ली
- (2) दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
- (3) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
- (4) राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, वर्धा
- (5) असम राष्ट्रभाषा सेवक संघ, गोहाटी
- (6) हिन्दी शिक्षक संघ, डेंगरपाड़ा, कटक, उडीसा।

12. तीन प्रमुख हिन्दी विद्यालय सदस्य

- (1) प्रोफेसर सुमन रेण्डी, आनंद विश्वविद्यालय
- (2) प्रोफेसर आर० एस० तोमर, विश्वभारती, शास्त्रिनिकेतन
- (3) आजार्य विश्वनाथ प्रसाद, विक्रम विश्वविद्यालय (सेवा निवृत्त) जगदी विद्याल, बहुताल, बाराणसी।

13. भाषा विज्ञान के दो विशेषज्ञ सदस्य

- (1) शा० बी० जी० मिश्रा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, अरविंद आश्रम मार्ग, नई दिल्ली।
- (2) प्रोफेसर आर० एन० श्रीबास्तव, अध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग, दिल्ली।

14. शिक्षा विभाग में भाषाओं के प्रभारी निवेशक/ सदस्य-सचिव उप सचिव/उप शिक्षा सलाहकार स्थायी रूप से आमंत्रित—

- (1) अवैतनिक परामर्शदाता, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग/शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय
- (2) निवेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
- (3) अपर निवेशक, केन्द्रीय हिन्दी निवेशालय, नई दिल्ली

अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष समिति को बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

II. कार्यकाल

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्यतः 31 दिसम्बर, 1980 तक होगा, बहात कि:

- (1) बारा 3 तथा 4 के अन्तर्गत नामित सदस्य, संसद का सदस्य न रहने पर समिति का सदस्य नहीं रहेगा।
- (2) समिति के पदेन सदस्य तब तक सदस्य रहेंगे जब तक कि ये उस पद पर कार्य करते रहें जिसके आधार पर उन्हें समिति की सदस्यता दी गई है।
- (3) अन्य सलोनीती सदस्य भारत सरकार की इकाइतुसार ही अपने अपने पदों पर कार्य करेंगे।
- (4) यदि किसी सदस्य के त्यागपत्र, मृत्यु आदि के कारण समिति में कोई स्थान रिक्त होता है तो उस रिक्त स्थान पर नियुक्त किया गया सदस्य 3 वर्ष की लेव अवधि तक कार्य करेगा।

III. गणराज्य (कोरम)

समिति की बैठकों के लिए गणराज्य (कोरम) समिति के कुल सदस्यों का एक तिहाई होगा।

कार्य

समिति, देश में हिन्दी के प्रचार और प्रसार के नीति संबंधी मामलों पर भारत सरकार को सलाह देगी।

कार्यकारिणी उप-समिति

अपने विभिन्न कार्यों को प्रभावी रूप से चलाने के लिए समिति एक कार्यकारिणी उप समिति नियुक्त कर सकती है। माध्याराण: इस उप समिति में 15 सदस्य होंगे जो कि अध्यक्ष द्वारा नामित किए जाएंगे। समिति के उपाध्यक्ष उप समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। उप समिति के अध्यक्ष को समिति के सदस्यों में से अध्यक्ष द्वारा सेवा द्वारा भेजे गये अधिकारियों को सहयोगिता करने का अधिकार होगा जो देश में हिन्दी के प्रचार और प्रसार की परम्पराओं ने संबंध में विशेष जानकारी तथा अनुभव रखते हों।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प की एक प्रति सभी अहिन्दी भाषी राज्यों, प्रद्यान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय तथा भारत सरकार के सभी मन्त्रालयों तथा विभागों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह सकल्प भारत सरकार के राजपत्र में सर्वसाधारण की सूचना देने लिए प्रकाशित किया जाए।

केवल कृष्ण सेठी, निदेशक (भाषाए)

(समाज कल्याण विभाग)

नई विल्ली, दिनांक 29 मार्च, 1978

सकल्प

सं० एफ०-२-१/७७ डब्ल्यू० डब्ल्यू०—सकल्प संख्या २-१/७७ डब्ल्य०० डब्ल्य०० दिनांक २१ जनवरी, १९७८ के पैरा ४ में विं अनुसार महिलाओं से सम्बद्ध गणराज्य समिति की संरचना के अंशिक आशोधन में श्रीमती अयश्री बनर्जी, समाज कल्याण मंत्री, मध्य प्रदेश भोपाल, को भी पवन दीवान, जिनका विभाग बदल गया है, के स्थान पर मनोनीत किया जाता है।

पदमा शमशन्दान, संयुक्त सचिव

इस्पात और खान मन्त्रालय

नई विल्ली, दिनांक 22 अप्रैल, 1978

नियमावली

सं० ए० 12025/१/७८-एम० II—निम्नलिखित रिक्त पदों को भरने के लिए १९७८ में संघ स्तर पर आयोग द्वारा भी जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा की नियमावली कृषि और सिंचाई मन्त्रालय की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है:—

वर्ग I (भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मन्त्रालय के पद)

- (i) भूविज्ञानी (कनिष्ठ) सूप क और
- (ii) सहायक भूविज्ञानी सूप और

वर्ग II—(केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय के पद)

- (i) कनिष्ठ जल-भूविज्ञानी सूप क
- (ii) सहायक जल-भूविज्ञानी सूप और

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पद-वर्गों में से किसी एक या दोनों के लिए प्रतियोगी ही माना जाता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन पदों का सैट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वह वरीयता-क्रम में विचार किये जाने का इच्छुक है।

जिन वर्ग (वर्गों) के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके सम्बन्ध में उम्मीदवार द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं के परिवर्तन सम्बन्धी किसी अनुरोध पर नव तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से सम्बन्ध अनुरोध ३० तकम्बर, १९७८ को या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां शुरू में अस्थायी रूप में की जाएंगी। जैसे ही स्थायी रिक्तियां होंगी उम्मीदवार अपनी वारी में स्थायी रूप में नियुक्त कर दिए जाएंगे।

3. इस परीक्षा व परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों का अर्थ संक्षिप्तान (अनुसूचित जातिया) आदेश, १९५०, संविधान (अनुसूचित जन जातिया) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, १९५१, संविधान (अनुसूचित जन जातिया) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, १९५१; [अनुसूचित जातिया तथा अनुसूचित जन जातियों सूचिया (आशोधन) आदेश, १९५६, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, १९६०, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, १९६६, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, १९७० और उत्तर प्रदीप अंग्रेज (पुनर्गठन) अधिनियम, १९७१ और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, १९७६ द्वारा यथा संशोधित] संविधान (अमूर व करमीर) अनुसूचित जातियों आदेश, १९५६, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, १९७६ द्वारा यथा संशोधित संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियों आदेश, १९५९, संविधान (दावरा व नागर हैली) अनुसूचित जन जातियों आदेश, १९८२; संविधान (दावरा व नागर हैली) अनुसूचित जन जातियों आदेश १९६२, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातिया आदेश, १९६४, संविधान (अनुसूचित जातिया) (उत्तर प्रदेश) आदेश, १९६७; संविधान (गोआ, दमन तथा दियू) अनुसूचित जातियों आदेश, १९६८; संविधान (गोआ, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियों आदेश, १९६८; और संविधान (नागार्लैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, १९७०; में उत्तिष्ठित जातियों/जन जातियों में से कोई एक है।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा उन रिक्तियों के परिवर्तन I में निर्धारित रीति से जायोजित की जाएगी।

परीक्षा कक्ष और कार्यालय में होगी, यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

5. कोई उम्मीदवार या तो:—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूतान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थायी निवास के दरारे से १ जनवरी, १९६२ से पहले भारत आया हुआ तिक्ती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के दरारे से पाकिस्तान, अर्मा, श्रीलंका, कोतिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, जैरे, हियोमिया और वियतनाम से प्रवासन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो,

१- किन्तु शर्तें यह है कि उपर्युक्त वर्ण (ब्र), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है; किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1978 को 21 वर्ष हो चुकी हो तथा 30 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1948 से पहले और 1 जनवरी, 1957 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम I में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित हैं और यदि वे कालम II में उल्लिखित समझौते पद (पदों) हेतु आवेदन करते हैं तो उनके मामले में ऊपरी आयु-सीमा में 7 वर्ष की क्षृट दी जाएगी।

कालम I	कालम II
भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण	भूविज्ञानी (कनिष्ठ) युप क सहायक जल-भूविज्ञानी युप च
केन्द्रीय भू-जल बोर्ड	कनिष्ठ जल-भूविज्ञानी, युप क सहायक जल-भूविज्ञानी युप च

(ग) निम्नलिखित स्थितियों में ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में और क्षृट दी जाएगी :—

- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- यदि उम्मीदवार वर्षा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वर्षा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(ix) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अनार्तियस्त धोत्र में कोजी कारंशाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(x) यद्युदेश के साथ संघर्ष में या अनार्तियस्त धोत्र में कोजी कारंशाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(xi) 1971 के भारत पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष; और

(xii) 1971 के भारत पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक दृष्टि से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पत्र हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(xiv) ऐसा उम्मीदवार जो नियन्त्रिक तारीख अर्थात् भ्रम्मी जनवरी, 1978 को निर्धारित ऊपरी आयु सीमा से प्रधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निर्माण किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अभियानित राजनीतिक कार्यकलापों या तस्कालीन प्रतिवर्धित संगठनों से सम्बन्धित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत जने लियमों के अधीन गिरफतार या कैद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्वर होने से हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, इस गत पर परीक्षा में थैंडने का पात्र होगा कि जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान वह परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं थैंड पाया हो अर्थात् उसने परीक्षा छोड़ दी हो।

टिप्पणी :—इस विधायक के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के आद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए ग्राह्य नहीं होगी एवं से अधिक अवमर नहीं दिया जाएगा।

ऊपर की गई व्यवस्था को स्वीकर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी हालत में क्षृट नहीं दी जा सकती।

ध्यान दें (i) जिस उम्मीदवार को नियम 6 (ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश के लिया गया हो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से लापत्ति हो देता है या विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएँ समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन-पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छठनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस पद (पदों) हेतु विभागीय आयु सम्बन्धी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता, वर्षों कि उसका आवेदन-पत्र विधिवत अनुरूप सहित उसके मूल विभाग द्वारा अन्वेषित कर दिया गया हो।

7. उम्मीदवारः—

(क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विद्यान मंडल के अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित कि अन्य शिक्षा संस्थान से भूविज्ञान या प्रयुक्त भूविज्ञान में 'मास्टर' डिग्री अवध्य होनी चाहिए; या

(ख) भारतीय खान विद्यालय, छन्दोल से प्रयुक्त भू-विज्ञान में एमो-शिएटिप का डिप्लोमा।

नोट I : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्यथा पात्र हों तो परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31 अक्टूबर, 1978 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट II : विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी गैंडिक दृष्टि से योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में विहित अहंताओं में से कोई अहंता न हो, बल्कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा कि उसने आशार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उन्नीत ठहर सके।

नोट III : जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अहंता प्राप्त कर ली है, किन्तु उसके पास विवेशी विश्वविद्यालय की डिग्री है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विकास पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित मूल्क का भुगतान अवध्य करना चाहिए।

9. जो उम्मीदवार सरकारी लौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम काम कर रहे हों वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों, पर आकस्मिक या वैनिक दूर पर नियुक्त न हों, उन सब को अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की ओर से आयोग के नोटिस के अनुसंध के पैरा 2-2 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार "अनापति प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत करना होगा।

10. उक्त परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपालता के बारे में आयोग का निर्णय अनिवार्य होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

12. जिस उम्मीदवार ने :—

!(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा

(iv) जाती प्रवेश या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिसमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा

(v) गलत या छोटे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा

(viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अप्लील भाषा में या अभद्र भाषा की हों, अथवा

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो अथवा

(x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पश्चात्वाई हो, अथवा

(xi) पूर्णत खब्दों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उम पर आपराधिक अभियोग (नियन्त्रण प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उमके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उम परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए आयोग ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा अन्य से

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वासित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन वहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाई की जा सकती है।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विद्यका पर निर्धारित चूनतम अहंक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए सुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अतिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तिकांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकालने पर जितनी अनारक्षित जाती जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उन्हें ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशंसां की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हो, तो आरक्षित कोटा में कभी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, जहाँ परीक्षा के योग्यता अम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिए अनुशंसित किए जा सकेंगे, बताते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त हों।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाकाल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाकाल के बारे में कोई पक्ष व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदित पक्ष में विभिन्न पदों के लिए बताए गए वरीयता क्रम पर अयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने माल से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार खरिद तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए ह्रास प्रकार से उपयुक्त है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक धृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद जो यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात हुआ कि वह इन को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के नियुक्ति किए जाने की समाचार है केवल उन्हीं की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी। डाक्टरी परीक्षा के समय उम्मीदवार शुल्क के रूप में ₹ 16.00 का भुगतान मेंटिकल बोर्ड को करेंगे।

नोट :—निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करें से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षणों से गुजराना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट II में दिए गए हैं। 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप नियुक्ति हुए भूतपूर्व सैनिकों और सीमा सुरक्षा दल के कार्य करते हुए विकलांग हुए व्यक्तियों को पद विभेद की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छोट दी जाएगी।

19. जिस अप्रिक्ति ने :

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति / पत्नी पहले से है या
(ख) जीवित पति / पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर सामूहिक वाले व्यक्तिका कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन पटों के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संबंधित विवरण परिशिष्ट III में दिया गया है।

के० एन० नायर, अवर सचिव

परिशिष्ट I

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—
भाग I नीचे पैरा 2 में दिए गए विषयों से लिखित परीक्षा।

भाग II आयोग द्वारा साक्षात्कार हेतु बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों (देखिए नीचे पैरा 7) का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :

विषय	समय	पूर्णांक
1	2	3
(1) सामान्य अंग्रेजी	1½ घंटा	100
(2) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र I जिसमें सामान्य भूविज्ञान, भूआकृति विज्ञान, संरचनात्मक भूविज्ञान, स्तरकार्यविज्ञान और जीवास्मविज्ञान होंगे	3 घंटे	200
(3) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र II, जिसमें क्रिस्टल विज्ञान, खनिजविज्ञान, शैल विज्ञान, भू-स्तरायन विज्ञान, अर्थिक भूविज्ञान और भारतीय खनिज निक्षेप होंगे	3 घंटे	200

1	2	3
(4) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र III, जिसमें खनिज अन्वेषण और खनिज अर्थव्यवस्था होंगे	1½ घंटे	100
(5) जल भूविज्ञान	1½ घंटा	100

नोट :—वर्ग I और वर्ग II के अन्तर्गत पक्षों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। केवल वर्ग I के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय लेने होंगे और केवल वर्ग II के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तक के विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः 'वस्तु पूरक' (बहु विकल्प उत्तर) प्रकार की होगी। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट IV पर 'उम्मीदवार सूचना पुस्तिका' देखिए।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची के अनुसार होंगे।

5. उम्मीदवारों को उत्तर अपने ही हाथ से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिए अंक अंक निश्चित कर सकता है।

7. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेघाशक्ति, अवबूझ कुण्डलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उत्तरास्थिति, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

8. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

अनुसूची

स्तर और पाठ्यक्रम

अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान स्नातक से की जाती है। सूचीजानकी विषय भारतीय विश्वविद्यालय की एम० एस० सी० डिग्री स्तर के होंगे और सामान्यतः प्रश्नेक विषय में ऐसे प्रश्न रखे जाएंगे जिनसे उम्मीदवारों की विषय की तमाज़ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) सामान्य अंग्रेजी

अंग्रेजी भाषा की समझ और अभियक्षत करने की शक्ति की जांच करते के प्रश्न किए जाएंगे।

(2) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र I

क-सामान्य भूविज्ञान—भू-उद्यगम।

महाद्वीप और महासागर—उनका विभाजन, विकास और उद्गम। महाद्वीपीय विस्थापित, महासागर विस्तारण और लेट विवरणिकी की संबलपूर्ण। पुराजलायु और उनकी विवेषता। समस्थिति। पुराचूबकरव। विषटनामिकता और उनका भूविज्ञान में अनुप्रयोग। भूकालानुकम और भूकाल। भूक्षप्तविज्ञान और भूगर्भ। भूगमिति। ज्वालामुखीयता। हीप चाप, गंभीर सागर आईयां, और मध्य महासागरीय कटक। सीरल रीफ। पर्वतान और महोदेश रखना। पर्वतीय चक।

ख—भू-आकृतिविज्ञान—भूआकृतिक प्रक्रम; लक्षण और उनके प्राचल। भूआकृतिक चक और उनका प्रथ-निर्देशन। स्थलाकृति और संरचनाओं से इसका संबंध। मृदा।

ग—संरचनात्मक भू-विज्ञान—चट्टाणों के भौतिक गुण। विश्लेषण। भ्रंगन और बलन—उनकी योक्तिकी। प्रायोगिक संरचना: सरेखण, शल्कन और जोड़। विवल अन्तर्वेदी और लवण गुम्बद। संस्तरों के शीर्ष तथा तल की पहचान। विषय विन्यास। पटल विरूपण। शैल सविस्तारी विश्लेषण।

ब—स्तरिकी—स्तरिकी के सिद्धांत तथा नामप्रदाति । पवरव स्तरिकी तथा पुराभूगोल की रूपने रखाएं । भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्ररूप अनुभाग । गोडवाना प्रणाली तथा गोडवाना महाबंद ।

भारतीय चंपमहादीप (भारत पाकिस्तान तथा बंगलदेश) की स्तरिकी तथा पुराभूगोल । प्रमुख भारतीय ग्रीष्मसमूह में सहस्राब्दन्ध । भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएं ।

स—पुराभूगोल—(क) जीवाशम, उनके प्रकार, संरक्षण पद्धति तथा प्रयोग । प्रकर्षणक्रियों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भू-विज्ञान सम्बन्धी इतिहास ; प्रवाल, भूजपाद, पटल, फलोम, ऐमोनाइटीज, जड़रपाद, द्राइलौहाइटीज, गूलबर्मी, ग्रेटोलाइट्स और कार्पिनीकर्स ।

(ख) गोडवाना तथा शिवालिक प्राणिजात पर बल देते हुए कर्णेशक्रियों के प्रमुख समूह । मानव, हाथी तथा घोड़ा का विकास-बूत ।

(ग) गोडवाना अन्स्पति पर बल सहित जीवाशम वनस्पति तथा इस का महत्व और वितरण ।

(घ) सूक्ष्मपुराभूगोल ; फोरेमिन फराइट्स के विशेष सन्दर्भ में इसका महत्व, उनका परिस्थिति विज्ञान तथा पुराप्रस्थिति-विज्ञान ।

(3) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र II

क. क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलों के ममतित तत्व तथा वर्गीकरण । प्रबोत—नोलीय तथा निधिम, 32 क्लास (बिन्दु समूह) । आकाश जालक तथा आकाशी समूह । एस्स-रे क्रिस्टलविज्ञान के मूल सिद्धांत । यमलन तथा क्रिस्टल ग्राफ्टिंग ।

ख. वर्णनात्मक खनिज विज्ञान

परमाणु—संचरना । क्रिस्टलों में संकुलन तथा आवृत्ति । परमाणु प्रतिस्थापन-प्ररूप-संरचना । खनिजों के भौतिक, रासायनिक, वैश्वार, चुम्पकीय तथा तापीय गुणधर्म । सिलिकेटों की संरचना तथा वर्गीकरण ।

आलिकीन, ग्रूप, ग्रानेट ग्रूप, एपिष्टोट ग्रूप और मलिकाइट ग्रूप । जरकान, स्फीन, सिलीमिनाइट, ऐन्डोलूमाइट, कायनाइट, पुस्तराज, स्टोरोजलाइट, बेरिल कार्डिनाइट, दूरमलीन, पाइराकसीन ग्रूप और ऐम्फिओल ग्रूप । ऐमोर-टोनाइट और रोडोनाइट । प्रब्रैक, समूह, मलोराइट ग्रूप तथा मूलिका खनिज । फेल्डस्पार ग्रूप । गिल्का मिनरल्स फेल्डस्पाराइट ग्रूप । जियोलाइट ग्रूप तथा स्केपोलाइट ग्रूप । आक्साइट्स, हाइड्रोक्साइट्स कार्बोनेट्स, फास्टेट, हैलाइट्स, सल्फाइट्स तथा सल्फेट्स ।

ग. प्राकृतिक खनिज विज्ञान

प्रकाशिक के सामान्य सिद्धांत । प्रकाशिक उपसाधन । प्रपवर्तन, द्विप्रपवर्तन, विलोप कोण, बहुवर्णता । प्रकाशिक देखेंवृत्त विकाशिक वर्क्षीय कोण । प्रकाशिक अभिविन्यास परिक्षेपण । प्रकाशिक विसंगतियां । सर्वेशी मंच तथा इसके प्रयोग ।

घ. गैल विज्ञान

(i) आमनेय : स्वरूप, संरचना, गठन और वर्गीकरण । ग्रेनाइट-ग्रेनो-डाक्योराइट-डाक्योराइट । साइनाइट-नेफेलाइट साइनाइट । ग्रेनोपेरी-डोटाइट-डूनोइट । डाक्योराइट नेमोप्रोकायर, पेन्याटाइट, ऐप्लाइट, रजोलाइट तथा काकोनाइटाइट । रायोलाइट-फ्लाइट, उकाइट, ऐन्डेजाइट तथा बेसाल्ट ।

सिलिकेट सिस्टम म प्रावृत्त्या नियम तथा साम्यता । द्विष्टक तथा विष्टक तत्र । क्रिस्टलीकरण-क्रम । अभिक्रिया सिद्धांत । मग्नेस की क्रिस्टलीकरण अनेकम् । विभिन्नता प्रारेख । ग्रेनाइट्स भानोनिरलिक तथा भारी गैल, काकोनाइट्स, वैभाराइट्स, तथा सेम्प्राकायरों का उदगम ।

(ii) अवसादी : वर्गीकरण तथा बनावट । आवसादों का मूल ।

गठन और संरचना । आवसादी गैलों के प्रमुख समूहों का ग्राफ्टिंग । आवसादों का यांत्रिक विष्टेपण । निक्षेपण की पद्धतियां । गुणधारण तथा द्रोणी विष्टेपण । अवसादों का उदगम क्षेत्र । निक्षेपणीय प्रयोगरण, भारी खनिज तथा उनका महत्व गिलि भवन तथा प्रसंधनन ।

(iii) कायान्तरित गैल : कायान्तरित के कारक, प्ररूप, नियंत्रण संरचना श्रेणी और संलग्नी । कायान्तरी विभेदन । तत्वांतरण तथा ग्रीनाइटी-भवन । अधिसंरचना, कणिकाम, चानोकाइट, ऐम्फिओलाइट्स, शिष्ट, नाइसिस और हार्टफेल्स । मड़ाम प्रोरोजनी के सम्बन्ध में कायान्तरण ।

इ. भू-रसायनविज्ञान

अवयवों का भूतरिकी बोहूल्य, पृष्ठी का प्रारम्भिक भू-रसायनिक विभेदन, अवयवों का भू-रसायनिक वर्गीकरण, प्रनुरेत्र अवयव । जल का भू-रसायनविज्ञान, अवसादों का भू-रसायनविज्ञान, भूरसायनिक चक्र तथा भूरसायनिक पूर्वक्षण के सिद्धांत ।

ज. ग्राफ्टिंग भूविज्ञान

खनिज निक्षेप—हैपन प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण रूप से अल्पमूल्य खनिजों का ग्राफ्टिंग और उपस्थिति तथा वितरण के सम्बन्ध में किया गया हो ।

ख. भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित धातु तथा अधातु ग्रयस्कों और खनिजों का भारतीय निक्षेप जो उनके वितरण, उपस्थिति तथा उदगम प्रणाली के सम्बन्ध में हो ।

(क) तांबा, सीसा, जस्त, एल्यूमिनियम मग्नेशियम, लोहा, से मेंगोज, कोमियम, सोना, चादी, टांगस्टेन तथा मांसलबूडेनम ।

(ख) प्रब्रैक, वार्मिश्युलाइट, ऐस्जेस्टास बेरीटिट्स ग्रेकाइट, जिस्म, गैरेक, मूल्यवान तथा अल्पमूल्य खनिज, उच्चतापसह खनिज, अपघर्षीय तथा मूलिकाशियपूर्वु खनिज काच, उर्बरक, सीमेट, प्रयोग तथा वर्णक उद्योग और निमाई प्रथर ।

(ग) कोयला, पैट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा परमाणु ऊर्जा खनिज ।

4. भू-विज्ञान प्रश्न पत्र III

(क) पृष्ठीय तथा अपृष्ठीय ग्रयेषण की पद्धतियां, खेत्रगत ग्रयेषण हेतु क्षमीय उपस्कर तथा क्षेत्रीय परीक्षण; ग्रयस्क निक्षेप का पता देने वाले निवेद ; ग्रयस्क निक्षेपों का प्रतिच्छयन, ग्रामापन और मूल्यांकन । खनिज, ग्रयेषण में भू-भौतिक, भू-रसायनिक तथा भू-विविक वर्णनों का अनुप्रयोग ।

(ख) रासायनिक प्रथम्यवस्था में खनिजों का महत्व । उद्योग निर्माण में विभिन्न खनिजों का प्रयोग । मांग, आपूर्ति और प्रतिस्थापन । भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य । खनिज उद्योगों के अत्यरिक्तीय पृष्ठीय, ग्रयेषण, अविनाशिक विनियोग तथा संरक्षण तथा राष्ट्रीय खसिज नीति । खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति ।

5. जल भूविज्ञान

जल-भूविज्ञान चक्र । भू-वर्षीय में जल वितरण । जलीय चक्र में भू-जल । भू-जल, आकाशी, कच्चा और मैग्मज जल और स्तोत्रों का उद्भव । जल-धारी लक्षणों की दृष्टि से शैतों का वर्गीकरण, जल स्तरिकी एकक : भूजल की उपस्थिति के अनुकूल भूविज्ञानिक संरचना, भू-जल और भू-जल भंडार । जल भर, भितजलभूल, रक्षीटाइट्स । जलभरों का वर्गीकरण ।

शैतों के जलवैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल भंडार) —संरक्षण, रिक्षत प्रतुपात, चुम्बकशीलता, पारगम्यता, स्टोरेटिविटी, आपेक्षिक पराभव, आपेक्षिक धारिता, विसरणणीयता । भू-जल भंडार के गुणधर्मों की पहचान की पर्याप्तयां—कूप पद्धतियों तथा प्रयोगशाला प्रविधियों के विस्तृत द्वारा चुम्बकशीलता और आपेक्षिक पराभव स्टोरेटिविटी की पहचान । भू-जल की गति प्रवान करने वाले बल । भू-जल गति के नियम-डार्सी नियम । भू-जल का पुर्वमरण छुत्रिम तथा प्राकृतिक, पुनर्मरण के नियंत्रक कारक, भूजल के युति और क्षमी प्रयोग ।

भू-जल अव्येषण की पृष्ठीय तथा उपपृष्ठीय प्रविधियां-भू-वैज्ञानिक तथा भू-भौतिक-जल सन्तुलन । भू-जल निक्षेपण की प्रविधियों (कूप-प्ररूप) उपज हेतु विभिन्न प्रकार के गैल-धैतों में कूप-निर्माण की पद्धतियों ।

विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—बर, उद्योग तथा विभाई सम्बन्धोंके सदर्भ में भूजल के रासायनिक लक्षण, जल प्रदूषण।

परिशिष्ट II

उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमत लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मटिकल एजामिनस) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार हन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुमत करने के लिए उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को विकित्सा बोर्ड की विपोर पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को 'अस्वीकृत या स्वीकृत करने' वा पूर्ण प्रधिकार होगा। उन रक्त सेवाओं के कर्वचारियों तथा सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के मामले में जो 1971 के भारत-पाक शत्रुवां संघर्ष में फोजी कार्रवाई के दौरान विकलांग दुए हों और उसके परिणाम स्वास्थ्य निर्मूल हुए हों, पर्वों की अपेक्षाओं को देखते हुए, उन्हें स्तर में क्लू दी जाएगी।

1. नियुक्ति के लिए स्वास्थ्य ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद वक्तापूर्वक काम करने में व्याप्ति पड़ने की भावना हो।

2. भारतीय (एंसों इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आग्रह, कद और छाती के बेरे के परस्पर संबंध के बारे में मटिकल बोर्ड के ऊपर यह बात क्लू दी गई है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में मांगदंडन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के बारे में अधिक उपयुक्त समझ, अव्यहार में साएं। यादि वजन, कद और छाती के बेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अवधारणा घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा।

यह अपने जूते उतार देना और उस माप दण्ड (स्टेंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर छड़ा किया जाएगा कि उसके पांच आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडियों के पांचों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। यह बिना अप्रकृते सीधी छड़ा होगा और उसकी एडियों, पिलियां, नितम्ब और कंधे सापड़ के साथ लये होंगे। उसकी ठोकी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ थी रेड नेवल) हार्जिंग्टल बार (आड़े छड़े) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटरों और अंगूठे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भाँति छड़ा किया जाएगा कि उसके पांच जुड़े हों और उसकी भुजाएं भिन्न से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा अंसफलक गोल्डर ब्लैड (के निम्न कोणों (इफीरियर-एंग्लिस) के पीछे लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हार्जिंग्टल लेन) में रहे। किर भुजाओं की नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के माथ लटका रहने विषय जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रख जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए।

तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा। तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर साबधानी से ध्यान दिया जाएगा। और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84.89, 86-93.5 आदि। माप रिकार्ड करते समय अधिक सेंटी-मीटर से कम भिन्न (फैलाव) को नोट नहीं करना चाहिए।

ध्यान दृ:—प्रतिम तिर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती को बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। अधिक किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा:—

(i) सामान्य (नजरत):—किसी रोग या असामान्यता (एव-नार्मेलिटी) का गता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ वजी संरचनाओं (कान्टिग्राम स्ट्रैक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अस्थ या आगे किसी समय सेवा के लिए प्रयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्युइटी) — दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग अलग परीक्षा की जाएगी।

जबकि विना आंख की नजर (नेकेड माई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (निनिमम लिमिट), नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मैटिकल बोर्ड या अन्य मैटिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (वैतिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

जबकि विना आंख की दृष्टि तीक्ष्णता का भानक निम्नलिखित होगा:—

	दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि	
प्राची	दूराव	प्राची	दूराव
35 वर्ष से कम आयु वाले	6/9	6/9	.06 .08
मध्यवाही		मध्यवाही	
उम्मीदवारों के लिए	6/6	6/12	

नोट: (1) माप्रोपिया का कुल परिणाम (सिलेंडर सहित) 4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

नोट: (2) फंडस परीक्षा: जहाँ तक संभव होगा विकित्सा बांड की विकास पर फंडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

नोट: (3) कलर विजन:

(i) कलर विजन की जांच जरूरी होगी।

(ii) नोंच दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लौगर) ग्रेडों में होना चाहिए तो लटने में एपर्चर के आकार पर निर्भर होगा।

प्रेड	रंग के प्रत्यक्ष	रंग के प्रत्यक्ष
शान का उच्चर	शान का निम्नतर	
प्रेड	प्रेड	
1 सम्प्रभूर उम्मीदवार के जीव की		
शूरी . . .	4.9	4.9
	मीटर	मीटर
2 द्वारक (एपर्चर) का आकार . . .	1.3	1.3
	मि० मीटर	मि० मीटर
3 उद्भासन काल . . .	5	5
	सेकेंड	सेकेंड

जनता की सुरक्षा से संबंध सेवाओं के लिए अर्थात् पायलटों, इंजीनियरों गाड़ी आदि के लिए कलर विजन का उच्चर प्रेड आवश्यक है किन्तु ग्रन्थ के लिए कलर विजन का निम्नतर प्रेड उपयुक्त समझा जाएगा। कलर विजन का यही स्तर समस्त इंजीनियरों कामिकों के संबंध में भी लागू होगा, जिन मामलों में रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक हो जाए हे उनकी इन्टीक्यूरेशन कार्य (फोल्ड वर्क) से संबंध हो या नहीं।

(iii) याल संकेत, हरेसंकेत और सफेद रंग को ग्रासानी से और हिन्दूकियाहट के बिना पहुंचाने में संतोषजनक कलर विजन है। इशिहारा की पेटेंटों के इस्तेमाल की जिन्हे एडिजनी की लैटर जैसी उपयुक्त लैटर और उसके रोपनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए विल्कुल विश्वसनीय समझा जायेगा। यैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को माधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। नेकिन्सन, सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिये लैटर से जांच करनी लाजमी है। शक वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अव्याख्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

नोट : (4) दृष्टि थेव (फोल्ड आफ विजन) : सम्पूर्ण विधि (कन्कार्टेंशन प्रेड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तो क्षेत्र को परमापा (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

नोट : (5) खतोंधी (नाइट ब्लाइडनेस) — केवल विशेष मामलों को छोड़कर खतोंधी की जांच नेमी स्पष्ट से जल्दी नहीं है। खतोंधी में विद्याई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टेंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर नें चाहिए जेसे रोपनी कम करके या उम्मीदवार को प्रेस्चेर कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बावजूद उससे विचित्र चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करता। उम्मीदवारों के कहने परही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

नोट : (6) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आवश्यक कंडीशन्स :

(क) आवश्यकी की भौगोलिक जीव की विशेषता को या बहुती हुई अपवर्तन त्रुटि (स्पेक्ट्रिकल एरर) को, जिसके पर्याप्ताम्-स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अव्योग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रकोमा) : रोहे जब तक भयानक न हों, साधारणतः अव्योग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) भेगापन :—जहां दोनों आंखों की दृष्टि का हीना जरूरी है, भेगापन अव्योग्यता माना जाएगा, जबकि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्षमता न हो।

(घ) एक ग्रांज वाला व्यक्ति : एक ग्रांज वाले व्यक्तियों की नियुक्ति हेतु ग्रन्थांश सही की जाएगी।

7. रक्त वाव (ब्लड प्रैशर) :—ब्लड प्रैशर के संबंध में बोर्ड ग्रन्थे निर्णय से काम नेगेटिव। नामूल मैक्सीम सिस्टालिक प्रैशर के ग्राक्सल की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार हैः—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में ग्रोसत ब्लड प्रैशर लगभग 100 + ग्राम होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रैशर के ग्राक्सल में 110 ग्रामी ग्रामी का सामान्य नियम विल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान ड़ेः—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टालिक प्रैशर और 90 एम० एम० के ऊपर डायस्टालिक प्रैशर को संविधिग्न मान नेना चाहिए और उम्मीदवार की आयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अधित्ति राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को ग्रस्ताता में रखें। ग्रस्ताता में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि अब्राहाहट (एक्साहटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रैशर बोर्ड समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कामिक (ग्रामनिक) बीमारी है। ऐसे मधी मामलों में दूदय का एक्सर और इंस्क्रॉरेकाडियमाफी जांच और रक्त ग्रुरिया निकाय (किलरेस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए किर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केलब मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रैशर (रक्त वाव) नेने का तरीका :—नियमत : पारे वाले दाव माप (मर्करी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के आयाम या ब्लराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाव नहीं देना चाहिए। रोपी बैठा या लेटा हो बास्तें कि वह और विशेषकर उसकी बोहं शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत होरी-जन्टल स्थिति में रोपी के पाश्वर परही तथा उसके कन्धों से कपड़ा उतार देने चाहिए। कर में से पूरी तरह हवानिकाल कर बीच की रेखा की भजा के ग्रन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे की काहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पटटी को पैलाकर समान रूप से लंपेटना चाहिए इसके हवानिकाल के लम्बे समय का दबाव रोपी के लिए थोक्कारी होता है और उससे रोडिंग गलत होता है। यदि बोधारा पूँडिल करना जल्दी हो तो कप के से पूरी हवा निकाल कर कुछ निम्न के बावजूद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कप में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेप" से रोडिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मुख की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। ग्रब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्तकर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलूओं की परीक्षा करेगा ग्रब मध्यमह (डाय-विटीज) के योग्यता विन्हास की भजा के लिए थोक्कारी होती है और लक्षणों को भी विशेष रूप में नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्रुकोज भेज (ग्लाइकोग्लूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त

के दोष फिल्नेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान लायब्रेटिक) है और बोर्ड इस केस को मैडिसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हैं। मैडिकल विशेषज्ञ स्टेंडर्ड ब्लड एंपर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी किल्निकल या अन्योनेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देना जिस पर मैडिकल बोर्ड की "फिट" अनफिट" की अंतिम राय अधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार को लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी भी होगा। ग्रीष्मिंश के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई बार तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9 यदि जांच के परिणाम स्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हप्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्पत्य घोषित किया जाना चाहिए। यदि तक कि उस का प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यावसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूती की तारीख के 6 हप्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वस्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10 निम्नलिखित अंतिम बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए:

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके काम में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि युनने की खराबी का इलाज शल्य किया (आपरेशन) या हियरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर आरोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बार्टन कि काम की बीमारी बढ़ने वाली न हो यह उपचरण भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा युप क, तार यातायात सेवा युप औ, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा युप क और केन्द्रीय बैंक इंजीनियरी सेवा युप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राविकारी के मार्ग वर्णन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है।

(1) एक काम में प्रकट प्रथम पूर्ण यदि उच्च फीक्वन्सी में बहरापन बहरापन, दूसरा कान सामान्य होगा।

(2) दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।

(3) सैन्ट्रल प्रथम मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मैम्बरेन में छिपा। (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मैम्बरेन छिपा हो तो अस्थायी आधार पर आरोग्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुशासन से दोनों कानों में मार्जिनल या प्रथम छिपा वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से आरोग्य घोषित करके उस पर नीचे लिए गए नियम 4(ii) के अधीन विवार किया जा सकता है।

(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिपा होने पर अस्थायी रूप से आरोग्य।

(iii) दोनों कानों में सैन्ट्रल छिपा होने पर अस्थायी रूप से आरोग्य।

(4) कान के एक और से/दोनों (i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक और से मास्टायड कैविटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सबनामंत्र श्रवण वाले कान/मास्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य :

(ii) दोनों और से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए आरोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर प्रथम दिन लगाए सुधार कर 30 दूसरी बैल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।

(5) अहम रहने वाला कान-आप-रेशन किया गया /विना आप-रेशन वाला। तकनीकी सशा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप में अयोग्य।

(6) नासापुट की इडी संबंधों/विस्तिपांगों (बोनी डिको-मिटी) सहित प्रथम उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक एलजिक दशा। (i) प्रथम का मामने की परिस्थितियों के श्रनुआर निर्णय लिया जाएगा।

(ii) यदि लक्षणों सहित नासापुट प्रफरेण्ट विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।

(7) टांसिल्स और/प्रथम स्वर यंत्र (सेन्सि) की जीर्ण प्रवाहक दशा। (i) टांसिल्स और/प्रथम स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा-योग्य।

(ii) यदि आवाज में प्रस्थायिककंशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से आरोग्य।

(8) कान, नाक गले (ई०ए०ट० टी० के हल्के प्रथम प्रपत्र स्थान पर बुंदेलदुमर। (i) हल्का द्रयुमर-अस्थायी रूप से अयोग्य।

(ii) बुंदेल द्रयुमर आरोग्य।

(9) मास्टोकिलरोसिस श्रवण तंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाव श्रवणता 30 डेसीबेल के प्रदर्श होने पर योग्य।

(10) कान, नाक प्रथम गले के जम्जात धोष। (i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य।

(ii) भारी मावा में हक्कलाहट हो तो आरोग्य।

(11) नेजल पोली। (ग) उम्मीदवार बोलने में हक्कलाता/हक्कलाती नहीं हो।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह ब्याने के लिए जरूरी होने पर नकली बांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की अनावट अच्छी है या नहीं और छाती फैलती है या नहीं तथा उसका विल या फैकड़े ठीक हैं या नहीं।

(इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।
 (च) उसे रफ्तार है या नहीं ।
 (छ) उसे लाईटोसील, बड़ी हुई बैरिकोशिल, बैरिकाजशिरा (बैन) या ब्राशासीर है या नहीं ।
 (ज) उसके ब्रांगो, हाथों और पैरों की बनावट और विकास प्रचला है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली भांसि स्वतंत्र स्पष्ट से हिलती हैं या नहीं ।
 (झ) उसके कोई चिरस्थायी ल्यंचा की बीमारी है या नहीं ।
 (ञ) कोई जन्मजात कुरुक्षण या दोष है या नहीं ।
 (ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनमें कमज़ोर गठन का पता लगे ।
 (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।
 (ण) उसे कोई संचारी (कम्फ्यूनिकेल) रोग है या नहीं ।

11. दिल और फैकड़ों की किसी ऐसी विश्लेषणता का पता लगाने के लिए जो माध्यारण शारीरिक परीक्षा से जात न हो, भभी मामलों में नेप्री रूप से लाती की एस्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए ।

जब कोई दोष पिछे तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही लोट किया जाए । मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित इकातापूर्वक इयुटी में इससे बाधा पहने की संभावना है या नहीं ।

नोट :—उम्मीदवारों को वेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए निम्नलिखित स्पेशल या स्टेडिंग मेडिकल बोर्ड के बिलाफ उन्हें अपील करने के सिए कोई हक नहीं है, किन्तु यह सरकार की प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसलीकी हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दें सकती है । ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख के एक महीने के अन्वर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा ।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण-पत्र पेश करेतो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जबकि इससे सम्बन्धित मेडिकल प्रैक्टीशनर का इस प्राण्य का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण सामने द्वारा ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहने सही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा ग्राम्य व्यापारिक अधिकारी की संभावना होती है ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग—वर्णन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टेडिंग सेवाओं से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (बृद्धि हो) के सिए उचित गुंजाइश देनी चाहिए ।

किसी ऐसे अधिकारी को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा, जिसके बारे में योग्यता सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (प्रापांडिंग अधिकारी) को यह तमली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बालिली इनकमिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता या प्रश्न अविद्या से भी उसना ही सम्भद्ध है जिसना बतेंगा से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना शारीरिक व्यापारियों के मामले में अकाल अद्युत्तम होने पर समय पूर्व पेशन या अवायवियों को रोकना है । साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार की प्रस्तुतीकृति करने की सलाह इस हाल में

नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुरूपीम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो ।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी ऐडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के मध्यस्थ के रूप में महायोगित किया जाएगा ।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) और सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर नियुक्त किए जाएंगे उन्हें भारत में या भारत से बाहर थेस्वगत कार्य करना होगा । ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह थेस्वगत कार्य के लिए योग्य है या नहीं ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखनी चाहिए ।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए प्रयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्तीकार किए जाने के माध्यार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं । किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो अराकी बताई ही उनका विस्तृत ध्योग नहीं किया जा सकता है ।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार ही कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को प्रयोग्य बनाने वाली छोटी भोटी खारबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड हारा इस ग्राम्य का कथन दिकाई किया जाना चाहिए ।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा हम बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब वह धराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस अधिकत को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है ।

यदि कोई उम्मीदवार ग्राम्यस्थायी तौरपर ग्राम्योग्य करार दिया जाए तो द्वारा या परीक्षा की अवधि माध्यारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए । नियुक्ति ग्राम्यधि के बाद जब द्वारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को धीर आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौरपर ग्राम्योग्य औषित न कर नियुक्ति के लिए उनको योग्यता के सम्बन्ध में अवधा द्वे हम नियुक्ति के लिए ग्राम्योग्य है ऐसा निर्णय अनितम रूप से दिया जाना चाहिए ।

सेंक) उम्मीदवार का कथन और धोषणा :—

प्रपत्ति मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेट-मेंट देना चाहिए और उसके मायली हुई धोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने का नाम देना चाहिए । नीचे दिए नोट में उल्लिखित वेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से द्व्यान देना चाहिए ।

1. अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेट-मेंट देना चाहिए और उसके मायली हुई धोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने का नाम देना चाहिए ।

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें ।

2. (क) क्या प्राप्त गोरखा, गङ्गालाली, ग्रामीणी, नागालैण्ड जन जाति आदि में से किसी जाति से सम्बद्धित है जिसका औसत कदम दूसरों से कम होता है । “हां” “या” “नहीं” में उत्तर दीजिए । उत्तर हां में हो तो जाति का नाम बताइए ।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में बूक आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, रुमेटिंग, ऐपेंडिसाइटिस हुआ है ?

(ख) क्या दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्बिटना, जिसके कारण धौप्या पर लैटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेचक आदि का टीका आंखिरी बार कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किसी की समस्या से भी उत्तराधिकारी द्वारा देखा गया है ?

13 छाती की एक्स-परीक्षा की रिपोर्ट—

11 क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में चार्ट गेसी जाते हैं जिससे वह उसे बेचा जी इयटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है?

नारा—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अवश्य उससे अधिक समय से गर्भीय है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15 (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के दृष्टि तथा सतत निष्पावन हेतु सभी प्रकार में योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए वह अयोग्य पाया गया है?

(ख) क्या उम्मीदवार सेवा के लिए योग्य है?

नोट—बोर्ड के अपना निर्णय निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक में रिकॉर्ड करना चाहिए—

(i) योग्य

(ii) _____ के कारण अयोग्य।

(iii) _____ के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य

स्थान— अध्यक्ष

तारीख— सदस्य

परिचय III

इस परीक्षा के आधार पर जिन पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनके संबंध में सक्षिप्त विवरण।

1 भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

(i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) शुप क

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में वेतन का नियांरित वेतनमान:—

(i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ वेतनमान) रु० 700-10-900 द० रो०-40-1100-50-1300।

(ii) भू-विज्ञानी (वरिष्ठ वेतनमान) रु० 1100-50-1600।

(iii) निदेशक रु० 1500-60-1800-100-2000।

(iv) उप भू-विज्ञानी (वरिष्ठ वेतनमान) रु० 2250-125/2-2500-रु० रो०-125/2-2750।

(v) महानिदेशक-रु० 3000 (नियत)

(ग) सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विवाह में पदों के उच्चतर प्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ज) सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य नियंत्रित (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य नियंत्रित की जाएंगी।

(च) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समस्त अधिकारियों को भारत के विसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

(2) महायक भू-विज्ञानी, शुप क—

(क) नियुक्ति हेतु चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा, यदि आवश्यक समझा गया, तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) वेतन का नियांरित वेतनमान रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200।

(ग) भू-विज्ञानी (शुप क—कनिष्ठ वेतनमान) के संबंध में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक भू-विज्ञानी के लिए प्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ज) भविष्य नियंत्रित की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य नियंत्रित (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं।

(च) महायक भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

2. केन्द्रीय भू-जल बोर्ड

(i) कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी शुप क

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों की नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर की जाएगी, यदि आवश्यक हुआ तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में वेतन का नियांरित वेतनमान:—

(i) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी रु० 700-40-900 द० रो०-40-1100-50-1300।

(ii) वरिष्ठ जल-भू-विज्ञानी—रु० 1100-50-1600।

(iii) निदेशक—रु० 1500-60-1800-100-2000।

(iv) मुख्य जल-भू-विज्ञानी—रु० 2250-125-2500।

(ग) सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर प्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित मूल नियमों और सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ज) भविष्य नियंत्रित की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य नियंत्रित (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं।

(च) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के समस्त अधिकारियों को भारत के फिसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

(2) सहायक जल-भू-विज्ञानी, शुप क

(क) नियुक्ति हेतु चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा, यदि आवश्यक समझा गया, तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) वेतन का नियांरित वेतनमान : रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200।

(ग) कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी (शुप क) के संबंध में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय समय पर सरकार द्वारा आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सहायक जलविज्ञानी के लिए प्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाएगी।

(घ) सेवा, अवकाश और पेशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित मूल नियमों तथा विविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ज) भविष्य नियंत्रित की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य नियंत्रित (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं।

(च) सहायक जल-भू-विज्ञानी को भारत में या भारत के बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

[लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्र के संबद्ध खाने में आपनी परीक्षण-पुस्तिका की त्रैम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बत्त करने को कहें, आप लिखना बन्ध कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बन्ध नहीं करते हैं, वे दंड के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप आपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक, न ले जाएं और आपको 'हाल' छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौनसा उत्तरदायी नहीं है?

- (क) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमज़ोर थे।
- (ख) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (ग) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की अवस्था नहीं हुई।
- (घ) अशोकोत्तर युग में अधिक रिक्षता थी।

उत्तर (घ)

2. सप्तरीय स्वरूप की सरकार में:

- (क) विद्यायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 12th April 1978

No. 19-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

Name and rank of the officer

Shri Ramji Singh,
Constable,
Monghyr,
Bihar.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On receipt of information that some dacoits had collected in a house on the night of 13/14th February, 1975, the Additional Superintendent of Police of Gogri, organised a raiding party consisting of two Sub Inspectors and a section of armed Police headed by Shri Ramji Singh. On reaching the house, Shri Ramji Singh alongwith a constable accompanied the Additional Superintendent of Police to surround the criminals from the north and the east. When the raiding party challenged the criminals one of them, who was guarding the gate opened fire at the police party. During the encounter the criminals tried to escape but Shri Ramji Singh in complete disregard of danger to his life pounced upon one of the fleeing criminals and after a scuffle managed to overpower him. One of the criminals fired at the police party injuring two of them. Under the orders of the Additional Superintendent of Police, Shri Ramji Singh then fired upon the assailants and managed to shoot them down. One of them died on the spot and another on the way to this hospital.

Shri Ramji Singh thus showed great courage, determination and devotion to duty of a high order during this action.

- (छ) विद्यायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (ग) कार्यपालिका विद्यायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (घ) न्यायपालिका विद्यायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (इ) कार्यपालिका न्याय पालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (ग)

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्यपत्र कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन :

- (क) विकास की सुविधा प्रदान करता है।
- (ख) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (ग) नियत कक्षा-कार्य से राहत देता है।
- (घ) शिक्षा के कायक्रम में विकल्प देता है।

उत्तर (क)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है:

- (क) शुक्र
- (ख) मंगल
- (ग) बृहस्पति
- (घ) बुध

उत्तर (घ)

5. बन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है?

- (क) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, मिट्टी का क्षरण उतनों अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (ख) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियाँ उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (ग) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियाँ उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (घ) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (ग)

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Policy Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th February, 1975.

No. 20-Pres./78.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to undermentioned officer of the Manipur Rifles :—

Name and rank of the officer

Shri S. Ibotombi Singh,
Jamadar,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 11th March, 1977 the Post Commander of Lokchao Post near the Indo-Burma border of the 5th Battalion Manipur Rifles received information that a large gang of insurgents armed with automatic weapons was about to cross the Lokchao river and into the dense forest area around the post. The Post Commander immediately despatched a party consisting of Jamadar S. Ibotombi Singh and 7 other men. A party was also despatched in another direction so as to block their escape route. At about 12.15 P.M. the party headed by Jamadar S. Ibotombi Singh spotted a gang of 50 insurgents armed with modern weapons at a distance of about 15 yards. In spite of the fact that the party headed by him was heavily outnumbered, Jamadar S. Ibotombi Singh immediately asked his men to charge at the insurgents. In the encounter Naik Tomba Singh and Rifleman Paoginmang fired effectively and pre-empted an attack on the ambush-party of Jamadar S. Ibotombi Singh. When the insurgents again attempted a counter attack, Riflemen Damhen and Thomas threw hand-grenades and one of the insurgents was killed on the spot. On finding that the Manipur Riflemen were determined the insurgents fled. Jamadar S. Ibotombi

Singh ordered his men to pursue the insurgents. In the hot pursuit, one more insurgent was captured and a .303 light machine gun and one .303 rifle with 400 rounds of ammunition were recovered. Jamadar S. Ibotombi Singh continued the pursuit even during the night without rest and food and without caring for his personal safety. During the early hours of 12-3-77 he was able to capture two more insurgents with one G. 3 rifle, one M-22 Chinese rifle with 437 rounds of ammunition and other equipment and documents. Interrogation of these captured insurgents revealed valuable information with the result that more insurgents were captured. The final tally was one killed and 8 captured alive apart from the large number of arms and ammunition that was seized.

In this action Jamadar E. Ibotombi Singh displayed conspicuous gallantry, organisational skill, leadership, determination, great courage and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th March, 1977.

No. 21-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Manipur Rifles :—

Names and ranks of the officers

Shri Tomba Singh,
Naik No. 3009,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.

Shri Paoginmang,
Rifleman No. 5644,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.

Shri Thomas, Rifleman No. 5427,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.

Shri Damhen,
Rifleman No. 5454,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 11th March, 1977 the Post Commander of Lokchao Post near the Indo-Burma- border of the 5th Battalion Manipur Rifles received information that a large gang of insurgents armed with automatic weapons was about to cross Lokchao river in the dense forests around the post. The Post Commander immediately despatched a party consisting of Jamadar S. Ibotombi Singh and 7 other men. Another party was also despatched in another direction so as to block the escape route. At about 12.15 p.m. the party headed by Jamadar S. Ibotombi Singh spotted a gang of 50 insurgents armed with modern weapons at a distance of about 15 yards. In spite of the fact that the party headed by him was heavily outnumbered, Jamadar S. Ibotombi Singh immediately asked his men to charge at the insurgents. In the encounter Naik Tomba Singh and Rifleman Paoginmang fired tactfully and effectively from their IMG and did not allow them to form and charge on the ambush party of Jamadar S. Ibotombi Singh. When the insurgents attempted a counter attack riflemen Damhen and Thomas threw hand-grenades very skillfully which completely demoralised them. On finding that the Manipur Riflemen were determined in their attack, the insurgents took to their heels. During this encounter one insurgent was killed. Jamadar S. Ibotombi Singh ordered his men to pursue the insurgents without wasting time. In the hot pursuit, one more insurgent was captured and a .303 light machine gun an one .303 rifle with 400 rounds of ammunition were recovered. They continued the pursuit during the day and the night without any rest and food. During the early hours of 12-3-77 they were able to capture two more insurgents with one G. 3 rifle, one M-22 Chinese rifle with 437 rounds of ammunition and other equipment and documents. Interrogation of these captured insurgents revealed valuable information with the result that more insurgents were captured. In the entire operation one insurgent was killed and 8 captured alive. Apart from this, a large number of arms and ammunition was also seized.

In this action Shri Tomba Singh, Shri Paoginmang, Shri Damhen, and Shri Damhen displayed gallantry, skill, initiative, dedication and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th March, 1977.

No. 22-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name and rank of the officer

Shri Rajendra Nath Bazborah,
Sub-Inspector of Police,
Cachar D.E.F.,
Assam.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 26th April, 1977 at about 2.30 A.M. Sub-Inspector Rajendra Nath Bazborah alongwith a Police party went to Dhanipur village to conduct a raid for arresting certain wanted persons. The Police party managed to arrest the accused but one of them escaped. When the Police party, returning to the police station with the arrested persons, reached Majigram Shri Rajendra Nath Bazborah received information that the wanted person had returned to his house and the stolen articles were in the house. Leaving the arrested persons in the custody of the remaining members of the party, Shri Bazborah came back to Dhanipur with an Assistant Sub-Inspector and two Constables. When the police party reached the house of the accused, he came out with a spear and challenged the police party. He was also joined by some other persons who were also armed with spears. Despite being outnumbered by the assailants, Shri Bazborah in utter disregard of his personal safety rushed forward to arrest the criminal but the latter managed to deliver a blow with a spear on Shri Bazborah's chest. The other criminals attacked Assistant Sub-Inspector Diresh Ch. Nath causing him serious injuries. Sub-Inspector Rajendra Nath Bazborah succumbed to his injuries on the spot. The criminals were, however, later overpowered by the villagers.

Shri Rajendra Nath Bazborah thus showed exemplary courage, leadership, determination and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 26th April, 1977.

No. 23-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

Name and rank of the officer

Shri Loke Nath Barman,
Constable No. 1152,
District Armed Police,
Jalpaiguri,
West Bengal.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 11th May, 1975 a patrol party led by an Assistant Sub Inspector of the Moynaguri Police Station was detailed for patrolling the Dababari Jabramali area for locating a notorious absconding dacoit who was wanted in a large number of criminal cases. At about 23.30 hours the police party arrived at Dababari and joined local resistance group volunteers who were already patrolling the village. During patrolling they heard sounds of firing in Jabramali on the other side of the Dharaikuri river. The police party alongwith four members of the resistance group rushed to Jabramali and found a gang of armed dacoits being chased by some villagers along the river bank. At the sight of the approaching police party, the dacoits opened fire. Before the police party could retaliate, they succeeded in hitting one member of the local resistance group who subsequently died in the hospital. While the other members of the police party and resistance group lost ground because of the heavy firing by the dacoits, Constable Loke Nath Barman stood firm and returned the fire. He fired 9 rounds and managed

to hit one of the dacoits who died on the spot. The other dacoits succeeded in escaping. The dead dacoit was found to be the absconding dacoit and with his death the entire gang of dacoits was ultimately liquidated.

Shri Loke Nath Barman displayed courage, determination, fortitude and devotion to duty of a high-order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th May, 1975.

M. C. MADAPPA, Secy. to the President

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi-110011, the 13th March, 1978

RESOLUTION

No. M(Haj)118-1/13/77.—The Government of India have reconstituted the Central Haj Advisory Board for the year 1978 with the following membership :—

1. Shri T. O. Bawa
2. Shri Ghulam Mohmad Bhat
3. Smt. Rashida Haque Choudhury, M.P.
4. Moulana Sayed Ahmed Hashmi, M.P.
5. Alhaj Shri M. A. Hanan, M.P.
6. Shri K. P. Hassan Haji
7. Shri M. M. Hashim, M.P.
8. Shri C. Ibrahim
9. Shri M. S. Abdul Khader, M.P.
10. Shri Ghayoor Ali Khan, M.P.
11. Shri Mahmood Hassan Khan, M.P.
12. Moulana Mohamed Irfan Khan
13. Shri Shamsul Hasan Khan, M.P.
14. Haji Karamatullah Khan
15. Shri S. A. Mehdi
16. Shri Mohamed Ali Mitha
17. Shri M. O. H. Farooq Marikar
18. Shri Abdul Hameed Rahmani
19. Shri Z. G. Rangoonwalla
20. Shri Ghulam Sarwar
21. Shri Hamid Ali Shammad, M.P.
22. Shri Nafees Ahmed Siddiqui
23. Shri Ahmed Baksh Sindhi
24. Shri A. U. Sheikh
25. Shri Mohamed Yusuf

2. Alhaj Shri M. A. Hanan, M.P., shall be the Chairman of the Board.

3. The Joint Secretary, in-charge of the Haj Affairs in the Ministry of External Affairs, shall be the Ex-officio Secretary and Convenor of the Board.

4. The Board shall advise the Government of India on matters relating to Haj and Ziarat as hitherto.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the Ministries of the Government of India, the Prime Minister's Office, the Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats, all State Governments, Centrally Administered areas, the Haj Committee, Bombay, all State Haj Committees and M/s. Mogul Line Limited, Bombay, for information.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. SHAHABUDDIN
Jt. Secy. (Haj)

**MINISTRY OF FINANCE
DEPT. OF ECONOMIC AFFAIRS
BANKING DIVISION**

New Delhi-110001, the 31st March 1978

No. 10(2)-B.O.III/77.—In continuation of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) Notification No 10(2)-B.O.III/77 dated the 28th December, 1977 Government are pleased to extend further the tenure of the One-man Committee (Banking Laws Committee) till 30th June, 1978.

BALDEV SINGH
Jt. Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 21st March 1978

RESOLUTION

No. I.12013(1)/77-Plant(A).—In paragraph 2 and 3 of the Ministry of Commerce Resolution No. I.12013(1)/77-Plant(A) dated 3rd February, 1978 published in the Gazette of India Extraordinary dated 3rd February, 1978, the following amendments/additions shall be made :—

For the existing entries in para 2 (b) (ii) and (v), the following shall be substituted,

(ii) Shri B. K. Dutt,
Chairman, Tata Finlay Limited,
2, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.
(v) Shri C. Prabhakaran,
C/o Aspinwall & Co. Ltd.,
Post Box No. 2,
Cochin-682001.

The following shall be added at the end of para 3,

“The Committee shall have powers to co-opt other members.”

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India.

MRS. KOMAL ANAND
Dy. Secy.

**MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT**

New Delhi, the 16th March 1978

RESOLUTION

No. E-11015(5)/77-HS.—The Government of India have decided to constitute a Hindi Sahakar Samiti for the Ministry of Industry. Its composition, functions etc. will be as given hereunder :—

Chairman
1. Shri George Fernandes,
Minister of Industry.

Vice-Chairman
2. Smt. Abha Maiti,
Minister of State.

Member
3. Thakur Ramapati Singh,
Member, Lok Sabha.
4. Shri Madan Lal Shukla,
Member, Lok Sabha.
5. Shri Ganesh Lal Mali,
Member, Rajya Sabha.
6. Shri Shyam Lal Gupta,
Member, Rajya Sabha.

7. Shri Krishan Chander Vidyalankar, Editor 'Vitt', New Delhi.
8. Shri Amrit Rai, Hans Prakashan, Allahabad.
9. Dr. Ram Darsh Misra, Delhi University, Delhi.
10. Shri Umashanker Joshi, 26, Setu, Sardar Patel Nagar, Ahmedabad.

Ex-Officio Member

11. Shri R. P. Naik, Secretary, Raj Bhasha Vibhag and Hindi Adviser to the Government of India.
12. Shri S. S. Marathe, Secretary, Deptt. of Ind. Dev.
13. Shri V. Krishnamurthy, Secretary, Deptt. of Heavy Industry.
14. Brig. B. J. Shahaney, Secretary (TD) and Director-General, Technical Development.
15. Shri L. Kumar, Chairman, Bureau of Industrial Costs & Prices.
16. Shri M. A. Rangaswamy, Special Secretary, Deptt. of I. D.
17. Shri G. V. Ramakrishna, Additional Secretary, Deptt. of I. D.
18. Shri S. J. Coelho, Joint Secretary, Deptt. of I. D.
19. Shri B. R. R. Iyengar, Joint Secretary, Deptt. of I. D.
20. Shri Naresh Chandra, Joint Secretary, Deptt. of H. I.
21. Shri I. C. Puri, Development Commissioner, Small Scale Industries.
22. Dr. Bimal Jalan, Economic Adviser.
23. Shri P. S. Krishnan, Chairman, All India Handicrafts Board.
24. Shri Mani Narayanaswami, Development Commissioner for Handlooms.
25. Shri K. Sreenivasan, Chairman, National Textile Corporation.

Member Secretary

26. Shri G. N. Mehra, Joint Secretary in-charge of Hindi Work (Dept. of I. D.).

II. Functions :

The functions of the Samiti will be to advise the Ministry of Industry and its Attached and Sub-ordinate offices on matters relating to progressive use of Hindi for Official purposes and allied issues falling within the frame-work of the policy laid down by the Ministry of Home Affairs.

III. Tenure :

The term of the Samiti will be three years from the date of its composition provided that :—

- (a) a member, who is a Member of Parliament, ceases to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament;
- (b) Ex-Officio members of the Samiti shall continue as members as long as they hold office by virtue of which they are the members of the Samiti;
- (c) If a vacancy arises on the Samiti due to resignation, death etc. of a member, the member appointed in that capacity shall hold office for the residual term.

IV. General :

- (i) The Samiti may Co-opt additional members and invite experts to attend its meetings or appoint Sub-Committees as may be considered necessary.

- (ii) The headquarter of the Samiti shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

V. Travelling and other Allowances :

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti and the Sub-Committees of the Samiti at the rates fixed by the Government of India from time to time.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Samiti and Ministries/Departments of the Government of India, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Controller and Auditor General of India and Pay & Accounts Office of the Department of Industrial Development.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. C. NAYAK
Jt. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION**(DEPARTMENT OF IRRIGATION)**

New Delhi-110001, the 27th March 1978

CORRIGENDUM

No. 21/9/71-DW(N)/IT.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. 21/9/71-DW(N)/IT-Vol.II dated 18-1-78, the following line may be added at S. No. 6 after Secretary to the Govt. of Rajasthan, Finance Department.

'(or an officer deputed by him to attend any particular meeting)'

ORDER

Ordered that this corrigendum be communicated for information to the State Governments concerned and to the Ministries of Finance, Home Affairs and Agriculture and the Planning Commission.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Governments concerned be requested to publish it in the State Gazettes for general information.

O. P. CHADHA
Jt. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE**(DEPARTMENT OF EDUCATION)**

New Delhi, the 22nd March 1978

No. F.7.4/77-D.I(L).—The Hindi Shiksha Samiti was last reconstituted by this Ministry's Resolution No. F.7-2(3)/74-D.I(L) dated 29-4-75. The tenure of the reconstituted samiti having expired on 31-12-77, the Samiti is hereby further reconstituted as follows :—

Composition :*Chairman*

1. Minister for Education, Social Welfare and Culture.

Vice-Chairman

2. Minister of State (Department of Education).

Members

3. Four Members of the Lok Sabha nominated by the Speaker.

(i) Shri V. G. Hande

(ii) Shri M. V. Krishnappa

- (iii) Dr. Ramji Singh
- (iv) Shri Bin Bhushan Tiwari
- 4. Two Members of the Rajya Sabha nominated by the Chairman
 - (i) Shri Jagdish Joshi
 - (ii) Prof. Ram Lal Parikh
- 5. Education Secretary.
- 6. Hindi Adviser to Government of India.
- 7. Joint Secretary/Joint Educational Adviser in charge of Languages in the Department of Education.
- 8. Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology.
- 9. Chairman, Kendriya Hindi Shikshan Mandal, Agra.
- 10. One representative each nominated by the Governments of non-Hindi speaking States.
- 11. One representative each from the following Voluntary Hindi Organisations :
 - (i) Akhil Bhartiya Hindi Sanstha-Sangh, New Delhi.
 - (ii) Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, Madras.
 - (iii) Hindi Sahitya Sammelan, Allahabad.
 - (iv) Rashtrabhasha Prachar Samiti, Wardha.
 - (v) Assam Rashtrabhasha Sevak Sangh, Gauhati.
 - (vi) Hindi Shikshak Sangh, Degarapara, Cuttack, Orissa.
- 12. Three prominent Hindi scholars :
 - (i) Prof. Sunder Reddi
Professor of Hindi, Andhra University.
 - (ii) Professor R. S. Tomar, Vishva Bharati, Shantiniketan.
 - (iii) Acharya Vishvavishnu Prasad,
Vikram University (Retd.)
Vani Vitan Bhawan, Varanasi.
- 13. Two linguistic experts :
 - (i) Dr. B. G. Mishra,
Kendriya Hindi Sansthan,
Delhi Aurobindo Ashram Marg, New Delhi.
 - (ii) Prof. R. N. Srivastava, Head, Linguistic Dept.
Delhi University, Delhi.

Member-Secretary

14. Director/Deputy Secretary/Deputy Educational Adviser in Charge of Hindi in the Department of Education.

Permanent Invitees :

- (i) Honorary Consultant/Commission for Scientific and Technical Terminology/Ministry of Education and Social Welfare.
- (ii) Director, Kendriya Hindi Sansthan, Agra.
- (iii) Additional Director, Central Hindi Directorate
New Delhi.

The Vice-Chairman shall preside over the meetings of the Samiti in the absence of the Chairman.

II. Tenure :

The tenure of the members of the Samiti shall ordinarily be upto the 31st December, 1980 provided that :

- (i) A member nominated under Clauses 3 & 4 shall cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament;

- (ii) The Ex-officio members of the Samiti shall continue as members so long as they hold the office by virtue of which they are members of the Samiti;
- (iii) Other nominated members shall hold office during the pleasure of the Government of India.
- (iv) If a vacancy arises on the Samiti due to resignation, death, etc. of a member, the member appointed in that vacancy shall hold office for the residue of the tenure of three years.

III. Quorum :

The quorum for the meetings of the Samiti shall be 1/3 of total membership of the Samiti.

IV. Functions :

The Samiti shall advise the Government of India on matters of policy pertaining to the propagation and development of Hindi in the country.

V. Karya Karini Up-samiti :

In order to enable the Samiti to discharge its various functions effectively it may appoint a Karyakarini Upasamiti. The Upasamiti shall ordinarily consist of not more than 15 members to be nominated by the Chairman. The Vice-Chairman of the Samiti shall function as the Chairman of the Upasamiti. The Chairman of the Upasamiti shall have the power to co-opt persons either from amongst the members of the Samiti or from outside who possess specialist knowledge and experience of the problems of propagation and development of Hindi in the country.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the Non-Hindi speaking States, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat and all the Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. K. SETHI
Director (Languages)

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 29th March 1978

RESOLUTION

No. F.2-1/77-WW.—In partial modification of the composition of the National Committee on Women as made known in para 4 of Resolution No. 2-1/77-WW dated 21 January 1978, Smt. Jayashree Banerjee, Minister of Social Welfare, Madhya Pradesh, Bhopal, is nominated vice Shri Pawan Diwan, whose portfolio has changed.

PADMA RAMACHANDRAN
Jt. Secy.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

RULES

New Delhi, the 22nd April 1978

No. A-12025/1/78-M2.—The rules for a combined competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1978 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of the Ministry of Agriculture and Irrigation, published for general information :—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines)

- (i) Geologist (Junior), Group A and
- (ii) Assistant Geologist Group B

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Agriculture and Irrigation)

- (i) Junior Hydrogeologist, Group A
- (ii) Assistant Hydrogeologist, Group B

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 30th November, 1978.

2. Appointments on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976 the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1956; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968 the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1978, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January 1948 and not later than 1st January 1957.

(b) The upper age limit will be relaxable by 7 years in the case of Government servants if they are employed in a Department mentioned in column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in column II.

Column I	Column II
Geological Survey of India	Geologist (Junior) Group A, Assistant Geologist, Group B.
Central Ground Water Board	Junioa Hydrogeologist, Group A. Assistant Hydrogeologist, Group B.

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Schedule Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and

- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xiii) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (xiv) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st January, 1976 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-1975 and 21-3-1977 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for i.e. (he should have foregone) the examination at least once during the period between June 1975 and March 1977.

NOTE : Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application duly recommended, has been forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have—

- (a) Masters' degree in Geology or Applied Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956; or
- (b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 30th October, 1978.

NOTE II.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the free prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service whether in a permanent or in temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, will be required to submit a "No Objection Certificate" from the Head of their Office-Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical examination.

NOTE—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

K. N. NAYAR, Under Secy.

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan :—

PART I—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

PART II—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 7 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

APPENDIX I

Subject	Duration	Maximum marks
(1) General English . . .	1½ hrs.	100
(2) Geology Paper I, comprising of General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology . . .	3 hrs.	200
(3) Geology Paper II, comprising of Crystallography, Mineralogy, Petrology, Geochemistry, Economic Geology and Indian Mineral deposits . . .	3 hrs.	200
(4) Geology Paper III, comprising of Mineral Exploration and Mineral Economics . . .	1½ hrs.	100
(5) Hydro-geology . . .	1½ hrs.	100

NOTE.—Candidates competing for posts under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subjects (1) to (3) and (5) above.

3. The examination in all subjects will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including Sample Questions, please see 'Candidates' Information Manual' at Appendix IV.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answer for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

8. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

SCHEDULE

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidates grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) GENERAL ENGLISH

Questions to test the understanding of and the power to write English.

(2) GEOLOGY PAPER I

A. General Geology.—Origin of the Earth. Continents and Oceans—their distribution, evolution and origin. Continental drift, ocean spreading and concept of plate-tectonics. Palaeoclimates and their significance. Isostasy. Palaeomagnetism. Radioactivity and its application to Geology. Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth. Geosynclines. Volcanism. Island arcs, deep-sea trenches and midoceanic ridges. Coral reefs. Orogeny and epeirogeny. Orogenic cycles.

B. Geomorphology.—Geomorphic processes, features and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

C. Structural Geology.—Physical properties of rocks. Deformation. Faulting and folding—their mechanics. Primary structures. Lineation, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds. Un-conformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

D. Stratigraphy.—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of world stratigraphy and palaeogeography. Type sections of the various geological systems. Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh). Correlation of the major Indian formations. Age problems in Indian stratigraphy.

I. Palaeontology.—(a) Fossils their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates: corals, brachiopods, lamellibranchs, ammonites, gastropods, trilobites, echinoderms, graptolites and foraminifera.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

(3) GEOLOGY PAPER II

A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals. Projections Spherical and Stereographic; 32 classes (Point groups). Space lattice and space groups. Basic principles of X-ray crystallography. Twinning and crystal imperfection.

B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Atomic structure, Packing and bonding in crystals. Atomic substitution—type structures. Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structure and classification of silicates.

Olivine group, Garnet Group, Epidote group and Melilite group, Zircon, Sphene, Sillimanite, Andalusite, Kyanite, Topaz, Staurolite, Beryl, Cordierite, Tourmaline, Pyroxene group and Amphibole group. Wollastonite and Rhodonite. Mica group, Chlorite group and Clay minerals. Feldspar group, Silica minerals, Feldspathoid group, Zeolite group and Scapolite group. Oxides, Hydroxides, Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics. Optical accessories. Refractive, Birefringence, Extinction angle, Pleochroism, Optical ellipsoids, Optical axial angle, Optic orientation, Dispersion, Optic anomalies. Universal stage and its uses.

D. PETROLOGY

(i) **Igneous**: Forms, structures, texture and classification. Granite—Granodiorite—Diorite. Syenite—Nepheline Syenite.

Gabbro—Peridotite—Dunite. Dolerite, Lamprophyre, Pegmatite, Aplite, Ijolite and Caronblite. Rhyolite, Trachyte, Dacite, Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of crystallisation. Reaction principle. Crystallisation of magmas. Diversity Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) **Sedimentary**: Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and basin analysis. Provenance of sediments. Depositional environments. Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) **Metamorphic**: Agents, types, controls, structures, grades and facies of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granitisation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

E. GEOCHEMISTRY

Cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

F. ECONOMIC GEOLOGY

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

G. INDIAN MINERAL DEPOSITS

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin:

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre, Precious and Semiprecious minerals, refractory minerals, abrasives, and minerals for ceramics, glass, fertiliser, cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

(4) GEOLOGY PAPER III

(a) Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration; guides for locating ore deposits. Sampling, assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geo-botanical surveys in mineral exploration.

(b) Significance of minerals in national economy. Use of various minerals, in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of mineral industries. Strategic, critical and essential minerals. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

(5) HYDROGEOLOGY

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic waters, springs. Classification of rocks with respect of water bearing characteristics, Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence, Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquitards, aquiclude, aquitards. Classification of aquifers.

Hydrological properties of rocks (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, diffusivity. Methods of identification of ground water reservoir properties—Perme-

bility and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge, conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigational. Water pollution.

APPENDIX-II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirement of the posts).

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight, and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows:—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres thus 84.89, 86.93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilograms fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eyes.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows:—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye 6/9 or 6/6	Worse eye 6/9 or 6/12	Better eye 0.6	Worse eye 0.8

NOTE (1) Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.000. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.000.

NOTE (2) *Fundus Examination* : Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3) *Colourvision* : (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour preception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distant between the lamp and candidate . . .	4.9 metres	4.9 metres
2. Size of aperture . . .	1.3 mm.	13mm.
3. Time of Exposure . . .	5 sec.	5 sec.

For the services concerned with safety of the Public, e.g. pilots, drivers, guards, etc., the higher grade of colour vision is essential but for others the lower grade of colour vision should be considered sufficient. The same standards of colour vision should be applicable in respect of all engineering personnel in whose case colour perception is considered essential irrespective of the fact whether their duties involve field work or not.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edridge Green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE (4) —*Field of vision*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5) —*Night blindness*—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (6) —(a) *Ocular conditions other than visual acuity*—any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Tiachoma*—Tiachoma unless complicated shall not ordinary be a cause for disqualification.

(c) *Squint*—Where the presence of binocular vision is essential squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard should be considered as a disqualification.

(d) *One eyed persons*—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7 Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows—

(1) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age

(1) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory

N B—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electro cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff, completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands, when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the will hear clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level, they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent gap may cause error in reading.)

8 The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion 'fit' or 'unfit'. The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9 A women candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10 The following additional points should be observed—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard

(1) Marked or total deafness in one ear other ear being the deafness is upto 30 decibel in higher frequency	Fit for non technical jobs if
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type	(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present. Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below
	(ii) Marginal or attioperforation in both ears. Unfit
	(iii) Central perforation both ears. Temporarily unfit
(4) Fars with mastoid cavity sub normal hearing on one side/on both sides	(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs
	(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical job. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated	Temporarily Unfit both technical and non-technical jobs
(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases
	(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily unfit

(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.
(8) Benign or locally malignant tumours of the L.N.T.	(i) Benign tumours Temporarily unfit. (ii) Malignant Tumours Unfit.
(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid Fit.
(10) Congenital defects of ear, nose or throat	(i) If not interfering with functions Fit. (ii) Stuttering of severe degree Unfit.
(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit.

(b) that his speech is without impediment;

(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective fastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured.

(g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands, and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note :—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of case is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologists are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

2. State your age and birth place

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tibals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis?

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. When were you last vaccinated?

5. Have you suffered any form of nervousness due to over work or any other cause?

6. Furnish the following particulars concerning your family.

Father's age if living, and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead their ages at and cause of death

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their ages and state of health	No. of sisters dead their ages at and cause of death

7. Have you been examined by a Medical Board before?

8. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for

9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held?

11. Results of the Medical Boards' examination, if communicated to you or if known.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidates Signature.....

Signed in my presence:

Signature of Chairman of the Board.

NOTE:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development : Good..... Fair..... Poor

Nutrition : Thin Average Obese

Height (without shoes) Weight

Any recent change in weight

Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin: any obvious disease

3. Eyes :

- (1) Any disease
- (2) Night blindness
- (3) Defect in colour vision
- (4) Field of Vision
- (5) Fundus Examination
- (6) Visual Acuity
- (7) Ability for stereoscopic fusion

Acuity or vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis.

Blindness	RE	LE
-----------	----	----

Near Vision	RE	LE
-------------	----	----

Hypermetropia (Manifest)	RE	LE
--------------------------	----	----

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear
..... Left Ear

5. Glands

6. Condition of teeth

7. Respiratory system: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart and organic lesions

Rate : Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic

..... Diastolic

9. Abdomen : Girth

Tenderness

Hernia

(a) Palpable Liver

Spleen

Kidneys

Tumours

(b) Haemorrhoids

Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following categories:

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporarily unfit on account of

President

Member

Place

Date :

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Geological Survey of India

(1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years, which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India :—

- (i) Geologist (Jr. Scale)—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Geologist (Sr. Scale)—Rs. 1100—50—1600.
- (iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iv) Deputy Director General—Rs. 2250—125/2—2500—EB—125/2—2750.
- (v) Director General—Rs. 3,000 (fixed).

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Geologist Group B—

- (a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Geologists are liable for service anywhere in India or outside India.

2. Central Ground Water Board

(1) Junior Hydrogeologist Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Central Ground Water Board :—

- (i) Junior Hydrogeologist—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Senior Hydrogeologist—Rs. 1100—50—1600.
- (iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iv) Chief Hydrogeologist—Rs. 2250—125—2500.

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) All officers of Central Ground Water Board are liable for service in any part of India, or outside India.

(2) Assistant Hydrogeologist, Group B

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay :—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the cadre of Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Hydrogeologists are liable for Service anywhere in India or outside India.

APPENDIX IV

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination you do not write detailed answers. For each question (here-in after referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (here-in after referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

Nature of the Test

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

Method of Answering

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e are printed. After you have read each item in the test booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the response by blackening it completely with the pencil as shown in the enclosed specimen answer sheet. Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine. It is, therefore, important that—

1. You use only the pencil provided by the Supervisor; the machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark erase it completely and remark the correct response.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate it.

Some Important Rules

1. You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.
5. Write clearly the name of the examination, your Roll number of the test booklet at the appropriate space

provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item. Follow the instructions

given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an eraser and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrape or rough paper, scales or drawings instruments into the examination hall, as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work. You should write the name of examination/test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test. Answers should be marked by blackening with pencil as indicated above. Red ink should not be used on the answer sheet.

Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. If you know nothing about a question, better leave it blank. You will get better marks by omitting to answer such questions than by blind guessing.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

Special Instructions

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet. Each test booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your test booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed; otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the test booklet until you are asked by the Supervisor to break it.

Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop will be penalised.

After you have finished answering remain in your seat and wait till the invigilator collects the test booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet and the answer sheet out of the examination hall. Those who violate this direction are liable to be penalised.

Sample Questions

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
2. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive

- (c) the Executive is responsible to the Legislature
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c);

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development
- (b) prevent disciplinary problems
- (c) provide relief from the usual class room work
- (d) allow choice in the educational programme

(Answer—a)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus

- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

